वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 188 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली सोमवार 21 सितंबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

भारी हंगामे के बीच राज्यसभा से पास हुए कृषि बिल

TMC बोली- लोकतंत्र की हत्या हो गई, कांग्रेस ने कहा पीएम को कहा- बाहुबली

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। विपक्षी सांसदों के जोरदार हंगामे के बीच राज्यसभा ने भी कृषि विधेयकों को पारित कर दिया है। कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सरलीकरण) विधेयक2020 तथा कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक2020 को मंजूरी मिली है। ध्वनिमत से पारित होने से पहले इन विधेयकों पर सदन में खूब हंगामा हुआ। नारेबाजी करते हुए सांसद वेल तक पहुंच गए। कोविड19 के खतरे को भुलाते हुए धक्कामुक्की भी हुई। विपक्ष ने इसे काला दिन बताया है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है।

जब उपसभापति हरिवंश ने विधेयकों पर ध्वनिमत से वोटिंग के लिए कहा तो विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे। वे इन विधेयकों को प्रवर समिति (सिलेक्ट कमिटी) में भेजे जाने के प्रस्ताव पर मतविभाजन की मांग कर रहे थे। तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी सदस्य आसन के बिल्कुल पास पहुंच गए। हंगामा इतना ज्यादा हुआ कि मार्शल को हस्तक्षेप करना पड़ा। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक के टुकड़े हवा में उछाल दिए। यहां तक कि उपसभापति के सामने लगा माइक भी तोड़ दिया गया। कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही को रोकना पड़ा। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा।

राज्यसभा में हंगामे के बीच बिल पास होने को लेकर विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि बाहुबली मोदी सरकार ने जबरन किसान बिल को पास कराया है। इससे ज्यादा काला दिन कुछ हो नहीं सकता। देश का किसान मोदी सरकार को कभी माफ नहीं करेगा।÷ वहीं डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि उन्होंने (सरकार) धोखेबाजी की। उन्होंने संसद में हर नियम तोड़ा। यह ऐतिहासिक दिन था, सबसे बुरे लिहाज से। उन्होंने राज्यसभा टीवी की फीड काट दी ताकि देश देख न सके। उन्होंने **RSTV** को सेंसर कर दिया। हमारे पास सबूत हैं। उन्होंने राज्यसभा से बाहर निकलते ही ट्विटर पर वीडियो पोस्ट किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष का रवैया कृषि सुधार से जुड़े विधेयकों पर चर्चा के दौरान शर्मनाक है । किसानों को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही हैं । इन नए विधायकों के लागू होने से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इसके लागू होने से ना एपीएमसी खत्म होगा और ना ही एमएसपी की व्यवस्था खत्म होगी। विपक्ष का रुख संसद की मर्यादा के खिलाफ था। आज संसदीय गरिमा को गहरी चोट पहुंची है। मैं भारत के किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी तरह से देश में एमएसपी की व्यवस्था और एपीएमसी की व्यवस्था खत्म नहीं होगी। बीजेपी की सांसद रूपा गांगुली ने कहा कि इन दोनों बिलों में किसानों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं है. पश्चिम बंगाल के लोग इसका बदला लेंगे। आप इन बिलों को पढ़िए, आप पाएंगे कि इसमें कुछ भी किसान विरोधी नहीं है।लोकतंत्र की हत्या तो पश्चिम बंगाल में हो रही है जहां हर रोज दो लोग मारे जाते हैं। इन कानूनों के जरिए देश में दलाल राज खत्म हो जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को बधाई दी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में कृषि संबंधित विधेयकों के पारित होने को भारतीय कृषि के इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए किसानों को बधाई दी है। इस सबंध में कई ट्वीट करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा, भारतीय कृषि के इतिहास का यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। संसद में कृषि संबंधित विधेयकों के पारित होने पर हमारे मेहनती किसानों को बधाई! इससे न केवल कृषि क्षेत्र का कायाकल्प होगा बल्कि करोड़ों किसानों का सशक्तिकरण भी सुनिश्चित होगा।

दशकों से भारतीय किसान कई तरह की कठिनाइयों का सामना करने के लिए विवश रहे और बिचौलियों के हाथों परेशान होते रहे। संसद द्वारा पारित विधेयक किसानों को ऐसी विपत्तियों से मुक्त कराएंगे। ये विधेयक किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों में तेजी लाएंगे और उनके लिए अधिक समृद्धि सुनिश्चित करेंगे। हमारे कृषि क्षेत्र में ऐसे नवीनतम तकनीक की सख्त जरूरत है जो मेहनती किसानों की सहायता कर सके। इन विधेयकों के पारित होने के साथ ही हमारे किसानों के लिए भविष्य की आधुनिक तकनीक तक पहुंच आसान हो जाएगी। इससे उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा जिसके बेहतर परिणाम होंगे। यह एक स्वागत योग्य कदम है। मैं पहले भी कह चुका हूं और आज फिर से कह रहा हूं,न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था रहेगी। सरकारी खरीद जारी रहेगी। हम यहां अपने किसानों की सेवा के लिए हैं।

ढूंढ-ढूंढकर ढेर कर रही सेना, बचने को अब जमीन के नीचे छिप रहे आतंकी

(विशेष संवाददाता)

शोपियां (कश्मीर)। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों का ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में छिपना या स्थानीय घरों में शरण लेना बीते दिनों की बात हो गई है। सेना व सुरक्षाबलों से बचने के लिए वे अब घने बगीचों में अंडरग्राउंड बंकर बनाते हैं और यहां तक कि मौसमी नदियों में बंकर खोदकर रहते हैं। सेना की आतंकवाद रोधी इकाई 44 राष्ट्रीय राइफल्स की कमान संभाल रहे कर्नल ए.के. सिंह कहते हैं, यह प्रवृत्ति हाल में पुलवामा और शोपियां जिलों में देखने को मिली है तथा शोपियां में इनकी संख्या ज्यादा है क्योंकि वहां सेब के घने बगीचे और जंगल हैं। सेना की इस इकाई ने अधिकतम आतंकवादियों को मारा, पकड़ा या उनका सरेंडर कराया है।

पीटीआईभाषा से 44राष्ट्रीय राइफल्स के बेहद पुख्ता सुरक्षा वाले मुख्यालय से बात करते हुए कर्नल सिंह और उनके दल को स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए उनसे मिलतेजुलते देखा जा सकता है। इस बातचीत के दौरान करियर संबंधी सुझाव देने से लेकर शिक्षा संबंधी उनकी बातों को सुनना शामिल रहता है। आतंकवादियों पर अंकुश लगाने के मामले में भी वे काफी आगे हैं। अब तक उन्होंने 47 आतंकवादियों को मार गिराया है और सात को हिरासत में लिया है या उनका सरेंडर कराया है। शोपियां के दो और पुलवामा जिले के तीन इलाकों की निगरानी करने वाले कर्नल सिंह और उनके दल के लिए अंडरग्राउंड बंकरों के मिलने के बाद स्थिति आसान नहीं थी क्योंकि यहां बिना सुरक्षा बलों की नजर में आए आतंकवादी कई दिनों तक छिपे रह सकते हैं। इन दोनों ही इलाकों को आतंकवादियों के गढ़ के तौर पर देखा जाता है। जलस्तर के उतारचढ़ाव और अचानक आने वाली बाढ़ से प्रभावित रहने के लिए चर्चित इलाके रामबी अरा के मध्य में कोई बंकर मिलना सुरक्षाबलों के लिए किसी अचरज से कम नहीं था और इसने कर्नल सिंह तथा उनकी टीम को नए सिरे से अपनी योजना पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, आतंकवादी रामबी अरा के बीच में लोहे के बने बंकर के अंदर छिपे हुए थे। सतर्क जवानों ने तेल के एक ड्रम का ढक्कन खुला देखा जिसका इस्तेमाल आतंकवादी बंकर में आनेजाने के रास्ते के तौर पर करते थे। अधिकारी ने कहा, यह संदेहजनक था और इसके बाद वहां गुपचुप तरीके से नजर रखी जाने लगी। हमें यह देखकर बेहद हैरानी हुई कि नदी के बीच से आतंकवादी निकल रहे हैं।

प्रयागराज में अतीक अहमद के कार्यालय पर चला बुलडोजर

प्रयागराज । कुख्यात अपराधियों पर उत्तर प्रदेश सरकार लगातार कार्रवाई में जुटी हुई है। मुख्तार अंसारी हो या फिर अतीक अहमद, सभी के आपराधिक साम्राज्य को एकएक कर ध्वस्त किया जा रहा है। कुछ दिन पहले बाहुबली सांसद अतीक अहमद के ड्रीम प्रॉजेक्ट कोल्ड स्टोरेज को शासन ने जमींदोज कर दिया था। उसके बाद अतीक अहमद के भाई के ससुराल में भी बुलडोजर चलाया गया। रविवार को बाहुबली के खिलाफ कार्रवाई के सिलसिले को जारी रखते हुए प्रयागराज के खुल्दाबाद इलाके के कर्बला में तकरीबन 1500 वर्ग गज जमीन पर बने कार्यालय के कुछ हिस्सों को पीडीए के बुलडोजर ने जमींदोज कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान पीडीए के अधिकारियों के अलावा जिला प्रशासन के अधिकारी और भारी पुलिस बल मौजूद रहा। माफिया अतीक अहमद के खिलाफ की जा रही कार्रवाई में अबतक उनकी चल अचल संपत्ति का आंकलन किया जाए तो लगभग 300 सौ करोड़ से अधिक की प्रॉपर्टी को जब्त किया जा चुका है।

राज्यसभा के हंगामे पर बोले राजनाथ सिंह दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक था सबकुछ

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । राज्यसभा में कृषि बिलों पर चर्चा के दौरान विपक्षी संसदों ने अभूतपूर्व हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने न सिर्फ विधेयक के टुकड़े हवा में उछाले बल्कि उपसभापति के सामने लगा माइक भी तोड़ दिया। इसके बाद विपक्ष उपसभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी ले आया। अब इन बिलों के समर्थन में सरकार ने मंत्रियों की पूरी फौज उतार दी है।

राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू के घर पर हाई लेवल मीटिंग के बाद सरकार के 6 मंत्रियों ने प्रेस कॉन्फेंस करते हुए विपक्ष पर जमकर हमला बोला। इस दौरान गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्यसभा में जो कुछ भी हुआ वह दुखद, शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण था। सिंह ने कहा, राज्यसभा में कृषि से संबंधित 2 विधेयकों पर चर्चा चल रही थी उस समय राज्यसभा में जो हुआ वो जहां दुखद था, वहीं दुर्भाग्यपूर्ण भी था और उससे भी आगे जाकर मैं कहना चाहूंगा कि वो अत्यधिक शर्मनाक था। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में उपसभापति के साथ जो दुर्व्यवहार हुआ, उसे सभी ने देखा। उन्होंने कहा

कि विपक्षी सांसदों के इस व्यवहार से लोकतंत्र की गरिमा पर आंच आई है। उन्होंने कहा कि जबजब संसद की मर्यादा टूटती है, तबतब लोकतंत्र की गरिमा पर आंच आई है। गृहमंत्री ने कहा कि सदन में चर्चा कराना सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है, लेकिन विपक्ष का भी यह भी कर्तव्य है कि सदन की गरिमा बनाए रखे। कृषि बिलों को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं खुद किसान हूं और एमएसपी की व्यवस्था किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होगी। उन्होंने दोनों बिलों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, ये दोनों विधेयक किसान और कृषि जगत के लिए ऐतिहासिक हैं। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। परन्तु किसानों के बीच गलतफहमी पैदा की जा रही है कि रूक्क खत्म कर दी जाएगी जबकि ऐसा नहीं है किसी भी सूरत में रूक्क समाप्त नहीं होगा। हंगामे को लेकर चर्चा है कि राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू हंगामा करने वाले सांसदों के खिलाफ ऐक्शन ले सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस हंगामे को लेकर राज्यसभा के सभापति बहुत चिंतित हैं और संभावना है कि हंगामा करने वाले और कागजों को फाड़ने वाले सांसदों के खिलाफ कार्रवाई हो। विपक्षी सांसदों ने जिस तरह से विरोध किया और राज्यसभा की कार्यवाही को रोकने की कोशिश की उस तरीके से बीजेपी भी नाखुश है। दूसरी ओर कृषि बिल पास होने के बाद किसानों के अलगअलग समूहों ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। इस दौरान तोमर ने कहा कि राज्यसभा में आज 2 कृषि सुधार बिल पारित किए गए। अब तक किसानों को मंडियों में अपनी उपज को अनुचित कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता था। अब वे किसी को भी अपने दामों पर अपनी उपज बेच सकते हैं। साथ ही तोमर ने यह भी कहा कि एमएसपी की व्यवस्था बनी रहेगी। उन्होंने इस दिन को ऐतिहासिक करार दिया।

वर्ष 2022 में 19 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी GDP

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 202122 में भारत की नॉमिनल जीडीपी 19 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ेगी। नॉमिनल जीडीपी एक आकलन है जिसमें एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों की गणना बाजार मूल्यों पर की जाती है तो जो वैल्यू निकलती है उसे नॉमिनल जीडीपी कहते हैं।

15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने मिंट को बताया कि इसको लेकर कई अनुमान है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने अपने प्रजेंटेशन में कहा है कि यह 19 फीसदी जा सकती है, जबकि कुछ ने यह भी कहा है कि यह बढ़कर 21 फीसदी भी पहुंच सकती है। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में नॉमिनल जीडीपी 22.6 प्रतिशत गिरकर 38.08 लाख करोड़ रुपए हो गई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 49.18 लाख करोड़ रुपए थी। मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सब्रमण्यन ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण हुई गिरावट के बावजूद कई सेक्टर पहली तुलना में रिकवरी के रास्ते पर हैं। उन्होंने कहा कि जब जब आप कुछ सुधारों को ध्यान में रखते हुए, जो कृषि की तरफ, श्रम पर, निजीकरण पर किए जाते हैं, तो वे सभी मिलकर अर्थव्यवस्था में उत्पादकता बढ़ाएंगे और विकास में मदद करेंगे। वहीं, मूडीज ने कहा, अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली में गहरे दबाव से देश की वित्तीय मजबूती में और गिरावट आ सकती है।

दिल्ली के संग्रीला होटल में महिला टूरिस्ट गाइड से गैंगरेप

कनॉट प्लेस थाने में 6 लोगों के खिलाफ गैंगरेप का केस दर्ज, मनोज शर्मा गिरफ्तार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। दिल्ली के संग्रीला होटल में गैंगरेप की घटना हुई है। एक लड़की ने छह लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। पीड़ित ने एक महिला पर आरोपियों का साथ देने का आरोप लगाया है। उससे 18 सितंबर की रात में कथित रूप से गैंगरेप किया गया है। पीड़ित लड़की ने होटल से ही पीसीआर कॉल करके शिकायत की थी। दिल्ली पुलिस ने कनॉट प्लेस थाने में गैंगरेप का केस दर्ज करके एक आरोपी शेख सराय के रहने वाले मनोज शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित को सस्ते में लोन देने का वादा करके होटल बुलाया गया था। पीड़ित लड़की टूरिस्ट गाइड और टिकट बुकिंग एजेंट के तौर पर काम करती है, उसे पैसे की जरूरत थी। होटल का कमरा दो कारोबारियों के नाम पर बुक कराया गया था। उधर, बाहरी उत्तरी दिल्ली के समयपुर बदली पुलिस थाने में एक रेप के आरोपी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। दिल्ली पुलिस का दावा है कि आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, जबकि उसके परिवार वालों का कहना है कि उसे रात में शराब पिलाकर इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई। उस पर आरोप है कि उसने शनिवार को एक 14 साल की बच्ची के साथ रेप किया था। वह हत्या के आरोप में जेल में बंद था और पेरोल पर बाहर आया था। उसे एक 10 साल के बच्चे से कुकर्म करने के आरोप में भी दोषी ठहराया जा चुका है। बाहरी उत्तरी दिल्ली के समयपुर बदली पुलिस थाने में 1920 सितम्बर की रात में 40 साल के धर्मेंद्र कश्यप की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। धर्मेंद्र के परिवार का आरोप है कि उसे पहले शराब पिलाई गई फिर पीटा गया. इससे उसकी मौत हो गई। घर वालों को सुबह 10ः30 बजे बताया गया कि धर्मेंद्र ने फांसी लगा ली है। पुलिस का कहना है कि धर्मेंद्र हत्या के आरोप में जेल में बंद था और मार्च में पेरोल पर बाहर आया था। उसे एक 10 साल के बच्चे के साथ कुकर्म करने के मामले में भी कोर्ट से दोषी ठहराया जा चुका है। 19 सितम्बर को वह पड़ोस के एक घर में घुस गया और उसने 14 साल की बच्ची के साथ रेप किया। इसी मामले में उसे स्वरूप नगर थाने की पुलिस ने अरेस्ट किया था।

24 घंटों में संक्रमण के 98 हजार से ज्यादा नये केस

देश में कोरोना संक्रमण के आंकड़े 54 लाख से अधिक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितंबर । देश में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के 98 हजार से ज्यादा नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा 54 लाख से अधिक हो गया हालांकि 94 हजार से अधिक लोग इस बीमारी से मुक्त भी हुए हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 98,825 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 54,00,619 पर पहुंच गया जबकि कोरोना संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या 94,612 बढ़कर 43,03,043 हो गयी। इसी अवधि में 1133 मरीजों की मौत हो गयी। देश में अब तक 86,752 कोरोना संक्रमित अपनी जान गंवा चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक सक्रिय मामलों की संख्या में कमी आयी है

और अब यह 10,10,824 हो गयी है। देश के केवल 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं जिनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 3407 और उसके बाद आंध्र प्रदेश में 2660 और कर्नाटक में 2565 मरीज कम हुए हैं। देश में सक्रिय मामले 18.72 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 79.68 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 1.61 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में कमी आयी है और यह 3407 कम होकर 2,97,866 हो गयी तथा 425 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 32,216 हो गया। इस दौरान 23,501 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 8,57,933 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 2565 की कमी हुई है और राज्य में अब 98,583 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 7922 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,04,841 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 2660 कम होने से सक्रिय मामले 81,763 रह गये। राज्य में अब तक 5302 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 5,30,711 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 951 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 66,874 हो गये हैं तथा इस महामारी से 4953 लोगों की मौत हुई है जबकि 2,76,690 मरीज ठीक हुए हैं।

तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 46,453 हो गयी है तथा 8751 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 4,81,273 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। केरल में सक्रिय मामले 37,535 हो गये तथा 519 लोगों की मौत हुई है जबकि स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 92,951 हो गयी है। ओडिशा में सक्रिय मामले 33,202 हो गये हैं और 691 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 1,41,657 हो गयी है।

राजधानी दिल्ली में इस दौरान सक्रिय मामले 186 कम होने से यह संख्या 32,064 हो गयी है।

यौन उत्पीड़न मामले में अनुराग कश्यप के खिलाफ FIR दर्ज करवाएंगी पायल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । पायल घोष ने हाल ही में अनुराग कश्यप पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। पायल ने ट्वीट किया था कि अनुराग कश्यप ने मेरे साथ जबरदस्ती की और बहुत बुरा बर्ताव किया है। अनुराग पर आरोप लगाने के बाद अब पायल डायरेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाली हैं। पायल के वकील नितिन का कहना है, हम ओशिवारा पुलिस स्टेशन में सोमवार को शिकायत दर्ज कराएंगे। आज हमने पेपर वर्क किया है। पायल ने फैसला ले लिया है कि वह अब अनुराग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगी। पायल ने ट्वीट के बाद इस मामले की पूरी कहानी बताई है। पायल ने कहा, पहले मैं अपने मैनेजर के साथ अनुराग से मिली। फिर मैं उनके घर में मिली। उन्होंने मुझसे बहुत अच्छे से बात की थी। उनका बिहेवियर देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा था लेकिन जब

दूसरे दिन उन्होंने अपने घर बुलाया तो चीजें ठीक नहीं हुई मेरे साथ। इसी बारे में मैने बात की। पायल ने आगे बताया, उन्होंने मुझे अन्कम्फर्टेबल महसूस कराया। जो भी हुआ था, मुझे बुरा लगा वैसा होना नहीं चाहिए क्योंकि ना तो मैं उनके साथ काम कर रही थी, ना ही उनसे कोई जान पहचान थी और ना ही हम दोस्त थे। अगर कोई आपके पास काम के लिए आया है तो इसका मतलब ये नहीं होता कि हर कोई उन सब चीजों के लिए तैयार है। उन्होंने मुझे असहज महसूस कराया। अनुराग कश्यप पर लगे आरोप पर आया एक्स वाइफ का रिएक्शन, कहा पहले तो मुझे गुस्सा आया फिर हंसी आ गई अनुराग ने इस मामले पर अपनी सफाई देते हुए कई ट्वीट किए। उन्होंने लिखा, इतना समय ले लिया मुझे चुप करवाने की कोशिश में। चलो कोई नहीं। मुझे चुप करातेकराते इतना झूठ बोल गए की औरत होते हुए दूसरी औरतों को भी संग घसीट लिया। थोड़ी तो मर्यादा रखिए मैडम। बस यही कहूंगा की जो भी आरोप हैं आपके सब बेबुनियाद हैं।

डेंगू विरोधी अभियान में शामिल हों दोस्त एवं रिश्तेदार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितंबर । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के निवासियों से अनुरोध किया कि वे अपने घर में जमा पानी को साफ करने के लिए उसकी जांच करें और राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करने के लिए अपने 10 दोस्तों या रिश्तेदारों को कॉल कर अभियान में शामिल करें। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आज सुबह 10 बजे अपने आवास का निरीक्षण करते हुए कहा कि सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों से दिल्ली को पिछले साल की तरह इस बार भी डेंगू को हराने में मदद मिलेगी। पिछले साल इसी सामूहिक प्रयासों की वजह से राजधानी दिल्ली में डेंगू के केस की संख्या में उल्लेखनीय कमी देखी गई थी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'अभी, हम कोरोना वायरस महामारी से निपट रहे हैं, लेकिन यह डेंगू का भी मौसम है, जब दिल्ली में डेंगू के केस काफी बढ़ जाते हैं। हमने इस बार फिर से '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट, हर रविवर डेंगू पर वार' अभियान शुरू किया है और यह हमारे डेंगू विरोधी अभियान का तीसरा सप्ताह है।

पिछले साल, दिल्ली के लोगों ने अपने सामूहिक प्रयासों से डेंगू को हराया था और मैं मुझे उम्मीद है कि इस साल भी आप लोग पिछले साल की तरह अपनेअपने घर की जांच कर रहे होंगे। हम नहीं चाहते हैं कि एक

करोना से बचें और कहीं डेंगू की वजह से कुछ नुकसान हो जाए। हमें दोनों बीमारियों से सतर्क रहना है। दूसरी बात, आपको जगरूकता फैलाने में भी मदद करनी है। आप अपने 10 दोस्तों को फोन करके उन्हें डेंगू के बारे में बताएं और उने पूछें कि आप अपने घर की जांच कर रहे हैं या नहीं? उनसे कहें कि आप अपने घर में जमा पानी की जांच जरूर करें, घर में जमा पानी को उड़ेल कर ताजा पानी भरने के लिए कहें। साथ ही उनसे यह भी अपील करें कि सभी लोग कोरोना वायरस से बच कर रहें।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने आज सुबह अपने आवास पर जमा पानी की जांच के बाद ट्वीट कर कहा, ''दिल्ली एक बार फिर डेंगू को हराएगी और इसके लिए आज तीसरे रविवार सुबह 10 बजे मैने फिर से अपने घर की चेकिंग की और इकट्ठा हुए साफ पानी को बदला। आप भी हर रविवार अपने घर की चेकिंग जरूर करें और अपने 10 जानकारों को भी ऐसा करने के लिए कहें। '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट, हर रविवार, डेंगू पर वार।'' मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा, डेंगू के खिलाफ दिल्लीवासियों का महा अभियान जारी है। आज तीसरे रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फिर से अपने निवास पर चेकिंग कर इकट्ठा हुए साफ पानी को बदला।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डेंगू के खिलाफ इस अभियान में हमें हर रविवार सुबह 10 बजे सिर्फ 10 मिनट के लिए न केवल अपने घर और आसपास की चेकिंग करनी है, बल्कि अपने 10 दोस्तों या रिश्तेदारों को भी ऐसा करने के लिए तैयार करना है।'' मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले साल सितंबर 2019 में '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट, डेंगू के खिलाफ अभियान का पहला चरण शुरू किया था। पिछले साल, दिल्ली के सभी निवासियों, आरडब्ल्यूए, धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों, मंत्रियों, विधायकों, नेताओं और प्रभावशाली लोगों की बराबर हिस्सेदारी व सहयोग ने शहर में डेंगू के प्रभाव को कम करने में बहुत अहम भूमिका निभाई थी।

इस दौरान केवल 2036 केस सामने आए थे और सिर्फ दो लोगों की मौतें हुईं थी, जबकि 2015 में 15867 केस आए थे और करीब 60 लोगों की मौते हुई थी। इस बार डेंगू के खिलाफ यह अभियान 6 सितंबर को शुरू किया गया था

एक नजर

दिल्ली में 4 दिनों में करीब 1 रुपया लीटर सस्ता हुआ डीजल

नई दिल्ली। डीजल के दाम में रविवार को लगातार चैथे दिन गिरावट का सिलसिला जारी रहा जबकि पेट्रोल के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश की राजधानी दिल्ली में इन चार दिनों में डीजल 98 पैसे प्रति लीटर सस्ता हो गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बीते दिनों कच्चे तेल में आई नरमी के बाद पेट्रोल और डीजल के भाव में उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। तेल विपणन कंपनियों ने रविवार को डीजल के दाम में दिल्ली में 24 पैसे, कोलकाता में 23 पैसे जबकि मुंबई में 25 पैसे और चेन्नई में 22 पैसे प्रति लीटर की कटौती की है। इससे एक दिन पहले डीजल के दाम में दिल्ली और कोलकाता में 20 पैसे जबकि मुंबई में 21 पैसे और चेन्नई में 19 पैसे प्रति लीटर की कटौती की गई थी। लगातार चार दिनों की कटौती के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में डीजल का भाव 98 पैसे प्रति लीटर घटकर 71.58 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में डीजल का भाव घटकर क्रमशः 71.58 रुपये, 75.09 रुपये, 78.02 रुपये और 76.99 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। जबकि चारों महानगरों में पेट्रोल का दाम क्रमशः 81.14 रुपये, 82.67 रुपये, 87.82 रुपये और 84.21 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली। इस सप्ताह वृहद आर्थिक मोर्चे पर कोई भी नये आंकड़े जारी नहीं होने वाले हैं। ऐसे में घरेलू शेयर बाजार की चाल वैश्विक संकेतकों, भूराजनीतिक चिंताओं तथा एफएंडओ निपटान पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों ने यह राय जाहिर की है। इस सप्ताह बृहस्पतिवार को वायदा एवं विकल्प सौदों की समयसीमा समाप्त हो रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि इसके मद्देनजर बाजार में कुछ उतारचढ़ाव देखने को मिल सकता है। पिछले सप्ताह अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के रुख के बाद वैश्विक स्तर पर बाजारों में गिरावट रही। नीतिगत बैठक में फेडरल रिजर्व की ओर से कोई अतिरिक्त प्रोत्साहन उपायों की घोषणा नहीं की गई। इस वजह से बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स लगभग स्थिर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार अनिश्चितता के साथ कारोबार कर रहे हैं ।

लॉकडाउन के दौरान मोबाइल के जरिये शेयर कारोबार में आया जोरदार उछाल

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन के दौरान बड़ी संख्या में खुदरा निवेशकों ने शेयर बाजारों का रुख किया। ब्रोकरेज कंपनियों के अनुसार लॉकडाउन में मोबाइल फोन के जरिये शेयर कारोबार में अच्छा खासा इजाफा हुआ। उनका मानना है कि आगे मोबाइल के जरिये शेयरों की खरीदफरोख्त और बढ़ेगी, क्योंकि स्मार्टफोन के जरिये ग्राहकों को कारोबार और निवेश से जुड़े घटनाक्रमों की तत्काल जानकारी मिल जाती है। फायर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सह संस्थापक तेजस खोड़े ने कहा, ''लॉकडाउन के दौरान शेयर कारोबार से जुड़ी गतिविधियों में काफी बदलाव आया। कारोबारी गतिविधियों का रुख डेस्कटॉप से मोबाइल उपकरणों की तरफ हो गया।'' उन्होंने कहा कि ज्यादातर युवा निवेशकों के बीच मोबाइल के जरिये शेयरों का कारोबार बढ़ रहा है। ये पहली बार के निवेशक भी हैं। शेयरखान बाय बीएनपी परिबा के सीईओ जयदीप अरोड़ा ने कहा कि शेयरों की खरीदफरोख्त के लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल बढ़ रहा है। ग्राहकों की संख्या में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

फ़ूड सेफ्टी अथॉरिटी के नए नियम छोटे व्यापरियों के लिए आर्थिक महामारी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर । फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी द्वारा हाल ही लागू किए गए एक क़ानून से देश भर में लगभग 2 करोड़ छोटे दुकानदार बुरी तरह प्रभावित ही वे जिसके कारण इन व्यापारियों के व्यवसाय का 75% से अधिक व्यापार ख़त्म होगा और प्रति वर्ष लगभग 15 लाख करोड़ रु का व्यापार समाप्त हो जाएगा । केंद्र सरकार की हालिया अधिसूचना के कारण ये छोटे व्यापारी जो पहले से ही कोरोना महामारी से बुरी तरह से परेशान उन्हें फ़ूड अथॉरिटी के नए क़ानून से अब आर्थिक महामारी का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा । कैट ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र भेजकर एफएसएसएआई के नियमों को वापस लेने की मांग की है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण , ने 4 सितंबर, 2020 को जारी एक अधिसूचना में खाद्य सुरक्षा और मानक (स्कूल में बच्चों के लिए सुरक्षित भोजन और संतुलित आहार)

2 करोड़ छोटे व्यापारिक और 15 लाख से अधिक का व्यापार बुरी तरह प्रभावित होगा

नियम को लागू किया जिसमें यह कहा गया की खाद्य उत्पाद जिसमें किसी भी प्रकार से चर्बी बड़ाने की सम्भावना है अथवा चीनी या सोडीयम से युक्त कोई भी सामान किसी भी स्कूल के गेट से किसी भी दिशा में पचास मीटर के दायरे में स्कूल परिसर में या स्कूली बच्चों के लिए सामान बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कैट ने इन विनियमों का कड़ा विरोध करते हुए इसे बर्बर नियम करार दिया और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकल पर वोकल और आत्मनिर्भपर भारत के आह्वान का उल्लंघन करता है। यह क़ानून छोटे व्यापारियों का व्यापार छीनेगा और सरकारी अधिकारियों की गैरसंवेदनशीलता को दर्शाता जो देश के घरेलू व्यापार को अस्थिर करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं । कैट ने कहा की एफएसएसएआई का यह नियम इस बात को स्पष्ट करता है की यह एक निरंकुश और तानाशाह के रूप में है किसी भी नियम या विनियम लाने से पहले कभी भी हितधारकों से परामर्श नहीं करता है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि देश में लगभग 2 करोड़ छोटी दुकानों / विक्रेताओं में ज्यादातर पड़ोस की दुकान हैं .जैसे कि जनरल टोर्स, पान की दुकानें, किराना दुकानें और अन्य छोटी और छोटी दुकानें हैं ।

फर्जी कॉल सेंटर बना 5 लाख लोगों से करोड़ों रुपए ठगे

नोएडा । नोएडा के साइबर थाना पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर बनाकर देशभर में पांच लाख लोगों से एक अरब रुपये से ज्यादा की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने शनिवार को नौकरी और लोन दिलाने का झांसा देने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी साइबर क्राइम त्रिवेणी सिंह ने बताया कि साइबर थाना पुलिस को शिकायत मिली थी कि कुछ लोग नौकरी और लोन दिलाने के नाम पर ठगी कर रहे हैं। इससे संबंधित शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जांच में सामने आया कि आरोपी नोएडा के सेक्टर 3 और गाजियाबाद के शालीमार गार्डन में फर्जी कॉल सेंटर बनाकर ठगी कर रहे हैं। पुलिस ने शनिवार को अंतर्राज्यीय गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। द्वारका स्थित डाबरी एक्सटेंशन निवासी मयंक तिवारी, गाजियाबाद के शालीमार गार्डन निवासी रोहित, कृष्णपाल, ग्रेनो सेक्टर 1 स्थित विहान हैरिटेज निवासी इंद्र कुमार बैरवा उर्फ राहुल और दिल्ली के अशोकनगर निवासी अमित कुमार के रूप में हुई।

कारपोरेट घरानों से मिले हैं बादल बहकावे में ना आएं किसान

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर शिरोमणी अकाली दल डेमोक्रेटिक ने कृषि बिलों पर बादल परिवार के द्वारा खुद के किसान हितैषी होने के किए जाते दावों को गलत बताया है।

बादल किसानों की बजाय उद्योगपतियों के साथ है: बन्नी जौली

शिअद डेमोक्रेटिक के नेता हरप्रीत सिंह बन्नी जौली ने दावा किया कि बादल परिवार ने एनडीए के भीतर रहते हुए किसान विरोधी बिलों के खिलाफ सरकार के साथ एक नकली लड़ाई का मंचन किया है ताकि किसानों के विरोध प्रदर्शनों में आसानी से प्रवेश करके आंदोलन को शांत किया जा सके।

बन्नी जौली ने कहा कि बादल अब दावा करते हैं कि जून के बाद से अब तक वो इन काले कानूनों का विरोध कर रहें थे तो वह यह भी साफ करें कि हरसिमरत कौर बादल ने तब इस्तीफा क्यों नहीं दिया था ? अब बादल सावधानीपूर्वक नियोजित किए गए अपने इस्तीफे के नाटक को कुर्बानी के तौर पर प्रोजेक्ट करने की कोशिश क्यों कर रहें हैं ? बन्नी जौली ने कहा कि लोगों ने बादल परिवार को खारिज कर दिया है, इसलिए अब यह किसानों के दिलों में अपनी राह बनाने के लिए मुट्ठी भर चाटुकारों द्वारा लिखी पटकथा पर काम कर रहे हैं। बन्नी जौली ने कहा कि सुखबीर सिंह बादल हमेशा व्यवसायी रहें हैं और हमेशा अपने परिवार के वित्तीय हितों को पंथ और पंजाब पर प्राथमिकता दी है। इसलिए कानून बनने के बाद तीनों कृषि बिलों से बड़े पैमाने पर लाभ उठाने के लिए ताक में खड़े भावी उद्योगपतियों के इशारे पर बादल किसानों के विरोध को तोडने के लिए सारा नाटक कर रहें हैं।

जौली ने किसानों को आगाह करते हुए कहा कि बड़े कार्पोरेट घरानों की दलाली करने की फिराक में लगें बादल परिवार को अपने प्रदर्शनों के करीब ना आने दे, इसी में किसानों की भलाई हैं। क्योंकि हरसिमरत कौर ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में माना है कि वह बिलों के खिलाफ नहीं है पर चूँकि बिल का किसान विरोध कर रहें है, इसलिए मैंने इस्तीफा दिया है। हरसिमरत कौर की इस सफाई से साफ है कि बादल बिलों को अब भी सही मानते हैं।

एमएसपी की गारंटी को लेकर चिदंबरम ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 20 सितंबर (वेबवार्ता)। राज्यसभा में कृषि विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सवालों के जवाब में कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर स्पष्ट किया कि यह पहले की ही तरह जारी रहेगी। केंद्रीय मंत्री के इस जवाब के बाद पूर्व वित्तमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा है कि आखिर सरकार को कैसे पता चलेगा कि किसान ने अपनी फसल किस व्यापारी को बेची है? देशभर में हर रोज होने वाले लाखों लेनदेन को कैसे जानेगी? ऐसे में अगर उसके पास डाटा नहीं है तो वह कैसे एमएसपी की गारंटी देगी। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को ट्वीट कर किसानों को उनकी फसल के लिए एमएसपी दिए जाने की प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री का कहना है कि सरकार यह गारंटी देगी कि किसान को एमएसपी मिलेगा लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि आज भी निजी व्यापार होता है। ऐसे में किसानों को दिया जाने वाला मूल्य, एमएसपी की तुलना में काफी कम है। तो अगर कृषि मंत्री जादुई रूप से एमएसपी सुनिश्चित कर सकते हैं, तो उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया है?चिदंबरम ने पूछा कि कृषि मंत्री को कैसे पता चलेगा कि किस किसान ने अपनी उपज किस व्यापारी को बेची है? वह पूरे देश में हर दिन होने वाले लाखों लेनदेन को कैसे जानेंगे?

किसानों से जुड़े विधयेक को पारित होने से रोकने में गैर-भाजपा दल एक हो: केजरीवाल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 सितंबर । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सभी गैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पार्टियों से किसानों से जुड़े विधेयकों को पारित नहीं होने देने के लिए एकजुट होने की अपील की है।

लोकसभा इन विधायकों को पारित कर चुकी है और अब इन्हें राज्यसभा में पेश किया गया है।

विधेयकों का विरोध करते हुए भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी और नरेन्द्र मोदी सरकार में शामिल अकाली दल प्रतिनिधि हरसिमरत कौर बादल ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है।

कांग्रेस भी विधेयकों को किसान विरोधी बता कर विरोध कर रही है। केजरीवाल ने आज ट्वीट किया, 'आज पूरे देश के किसानों की नजर राज्य सभा पर है। राज्य सभा में भाजपा अल्पमत में है। मेरी सभी गैर भाजपा पार्टियों से अपील है कि सब मिलकर इन तीनों बिलों को हरायें, यही देश का किसान चाहता है।' इससे पहले भी शुक्रवार को केजरीवाल ने कहा था, ' केंद्र के तीनों विधेयक किसानों को बड़ी कंपनियों के हाथों शोषण के लिए छोड़ देंगे मेरी सभी गैर भाजपा पार्टियों से विनती है कि राज्यसभा में एकजुट होकर इन विधेयकों का विरोध करें, सुनिश्चित करें कि आपके सभी सांसद मौजूद हों और वॉकआउट का ड्रामा ना करें। पूरे देश के किसान आपको देख रहे हैं।'

पुलिस हिरासत के दौरान परिवार से नहीं मिल सकेगा उमर खालिद, मांग खारिज

नई दिल्ली, 20 सितंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने रविवार को दिल्ली दंगों के मामले में गिरफ्तार जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को पुलिस हिरासत के दौरान परिवार के सदस्यों से मिलने की मांग खारिज कर दी है। एडिशनल सेशंस जज अमिताभ रावत ने उमर खालिद को अपने परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से वकील त्रिदिप पैस ने कहा कि हिरासत की अवधि लंबी है इसलिए दो दिन में कम से कम आधे घंटे परिवार के सदस्यों से मिलने की इजाजत दी जाए। दिल्ली पुलिस की ओर से वकील अमित प्रसाद ने कहा कि उमर खालिद को परिवार से मिलने की अनुमति देने से पूछताछ प्रभावित हो सकती है। उमर खालिद से भारी मात्रा में दस्तावेजों को लेकर पूछताछ करनी है। बता दें कि पिछले 14 सितंबर को कोर्ट ने उमर खालिद को हिरासत के दौरान अपने वकीलों से मिलने की इजाजत दे दी थी। उमर खालिद को पिछले 14 सितंबर को दस दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। उमर खालिद को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 13 सितंबर को गिरफ्तार किया था। पिछले 17 सितंबर को स्पेशल सेल ने दिल्ली हिंसा में साजिश रचने के मामले में यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत कड़कड़डूमा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

कोरोना : दिल्ली में कंटेनमेंट जोन के बाहर भी होगा घर-घर सर्वे

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए दिल्ली सरकार एक बार फिर कंटेनमेंट जोन के बाहर भी घरघर सर्वे करेगी। हाई रिस्क समूह वाले लोगों को चिन्हित करके उनकी कोरोना जांच कराई जाएगी। जिससे कोरोना संक्रमित को चिन्हित करके उसे आइसोलेट किया जा सके। संक्रमण को आगे बढ़ने से रोका जा सके। दिल्ली में अभी 1751 से अधिक कंटेनमेंट जोन है।

दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण और कंटेनमेंट जोन की संख्या ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है।

कंटेनमेंट जोन में पहले से ही घर घर सर्वे करके संपर्क में आने वाले और संदिग्ध लोगों की जांच की जा रही है। मगर जब से माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनना शुरू हुआ है उसके आस पास के इलाके में सबकुछ खुला

रहता है। इस बीच लोगों की लापरवाही के चलते भी संक्रमण फैल रहा है। यही नहीं सरकार को सूचना मिल रही है कि लोग लक्षण होने के बाद भी जांच से बच रहे है।

जिसे देखते हुए उपराज्यपाल ने डीएम के साथ शुक्रवार को हुई एक बैठक में कहा है कि कंटेनमेंट जोन और उसके आसपास सर्विलांट बढ़ाया जाएं। घरघर सर्वे करके हाई रिस्क समूह वाले लोगों को चिन्हित करके जांच की जाएं। जिससे जांच करके संदिग्ध लोगों को आइसोलेट किया जा सके। दिल्ली में कुल 11 जिले में सबसे अधिक कंटेनमेंट जोन दक्षिणी पश्चिमी जिले में 299 कंटेनमेंट जोन है।

वही सबसे कम उत्तरपूर्वी दिल्ली में महज 57 कंटेनमेंट जोन है। दिल्ली में सरकार ने हाई रिस्क समूह चिन्हित किया हुआ है।

इसमें बुजुर्ग, गर्भवती महिला, कोरोना संक्रमित के संपर्क में आने वाले लोग, सांस की बीमारी वाले, किडनी, हार्ट की बीमारी वाले या ऐसे लोगों दिनभर में ज्यादा लोगों से मिलते है जिसमें ऑटो चालक, सब्जी विक्रेता, डिलिवरी ब्वॉय समेत अन्य लोग शामिल है। सरकार इन लोगों को चिन्हित करके आइसोलेट कर रही है।

दरअसल बगैर लक्षण वाले मरीज भी बड़ी संख्या में सामने आ रहे है। जिसके चलते उन्हें तो पता नहीं चलता मगर वह आगे संक्रमण फैलाते रहते है।

सरकार घरघर सर्वे के जरिए ऐसे लोगों को चिन्हित करके आइसोलेट करना चाहती है। जिससे संक्रमण को कम किया जा सके। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए इसे रोकने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। इसमें कंटनेमेंट जोन की रणनीति में बदलाव करने को कहा गया है। दिल्ली को लेकर डॉ. पॉल की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञों की समिति को इसे लेकर निर्देश जारी किया गया है। अगले एक सप्ताह में इसपर रिपोर्ट देने को कहा है।

कोरोना से मौत होने पर निगमकर्मियों के परिवार को मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (वेबवार्ता)। कोरोना संकट में जान जोखिम डालकर कार्य कर रहे उत्तरी निगम के कर्मियों के लिए नई नीति आएगी। इसके तहत अगर किसी कर्मी की कोरोना के चलते जान जाती है तो उसके परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी दी जाएगी। अगर कोई कर्मी स्थायी है तो उसके परिवार के एक सदस्य को स्थायी और अनुबंधित कर्मी है तो उसके परिवार के एक सदस्य को अनुबंधित आधार पर नौकरी दी जाएगी। ताकि वे बिना किसी डर के कोरोना से निपटने में कार्य कर सकें। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बताया कि निगमकर्मियों की ओर से लॉकडाउन में किए गए कार्यों की वजह से लोगों को संक्रमण से बचाने में मदद मिली। निगम के कर्मी न केवल घरघर जाकर कोरोना के मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों का सर्वे कर रहे थे, बल्कि निगम का कर्मी सफाई करने भी जा रहा था। इसके साथ ही वे सैनिटाइजेशन के कार्य में भी लगे थे। कोरोना के मरीज आने पर या फिर इलाके को कंटेनमेंट जोन बनने पर लोग उन इलाकों में जाने से डरते थे, लेकिन निगम का कर्मी सर्वे से लेकर सैनिटाइजेशन का कार्य करता था। ऐसे में उनका मनोबल बना रहे और वे बिना परिवार की चिंता किए काम कर सकें, इसके लिए हमने नीति लाने का फैसला लिया है। इस फैसले के आधार पर निगम के किसी भी कर्मी की कोरोना से मृत्यु होने पर उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

पिछले 10 वर्ष में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान 631 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में पिछले 10 वर्षों में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान 631 लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (एनसीएसके) ने सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान 2010 से मार्च 2020 के बीच हुई मौतों के संबंध में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना के जवाब में यह जानकारी दी है। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में 631 लोगों की मौत हुई। इनमें से सबसे ज्यादा 115 लोगों की मौत 2019 में हुई। वहीं, पिछले 10 वर्षों में इस वजह से सबसे ज्यादा 122 लोगों की मौत तमिलनाडु में हुई। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 85, दिल्ली और कर्नाटक में 6363 तथा गुजरात में 61 लोगों की मौत हुई। हरियाणा में 50 लोगों की मौत हुई। इस साल 31 मार्च तक सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान दो लोगों की मौत हुई है। 2018 में इस वजह से 73 तो 2017 में 93 लोगों की मौत हुई। आंकड़ों के अनुसार 2016 में 55 लोगों की मौत हुई जबकि 2015 में 62 और 2014 में 52 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा 2013 में 68 तथा 2012 में 47 और 2011 में 37 लोगों की मौत हुई। 2010 में 27 लोगों की मौत हुई थी। एनसीएसके ने बताया कि आंकड़े विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर है ।

एलेक्सा अब कई भारतीयों भाषाओं में करेगी बात- एमेजॉन इंडिया

नई दिल्ली । हिंदी में एलेक्सा को आए एक साल पूरे हो चुके हैं, ऐसे में कंपनी को उम्मीद है कि इसे आने वाले समय में और भी कई स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल देश में एलेक्सा हिंदी और अंग्रेजी दो भाषाओं में मौजूद है। एमेजॉन इंडिया में एलेक्सा के लिए कंट्री हेड पुनीश कुमार ने बताया, 'मैं भविष्य की उतनी सटीक वर्णना तो नहीं कर सकता, लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि एलेक्सा दिनपरदिन समझदार होती जा रही है।

हम उसके ज्ञान को बढ़ाने की दिशा में निरंतर कड़ी मेहनत कर रहे हैं।' वह आगे कहते हैं, 'हम अपने अधिक से अधिक भारतीय उपभोक्ताओं को क्लेओ स्किल को आजमाने के लिए प्रेरित करते हैं और ताकि वे एलेक्सा को नईनई भारतीय भाषाओं के बारे में सिखा सकें।' क्लेओ एक लैंग्वेज लर्निंग स्किल है, जिसमें ग्राहक एलेक्सा को हिंदी, तमिल, मराठी, कन्नड़, बंगाली, तेलुगू, गुजराती और अन्य भाषाओं में जवाब देकर एलेक्सा को इनकी तालीम दे सकते हैं।

जितने अधिक ग्राहक क्लेओ स्किल का उपयोग करेंगे, उतनी ही अधिक कंपनी एलेक्सा के भाषा को पहचानने की क्षमता और इसके नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) पर काम करेगी ताकि दूसरी भाषाओं में बात करने के लिए अपने अन्य डिवाइसों में भी इसके स्मार्ट असिस्टेंट को तैयार कर सकें और साथ ही अन्य तीसरे पक्ष के डिवाइसों में भी यह कारगर हो।

दिल्ली-मुबंई से गांव गए प्रवासी मजदूरों को रेलवे ने काम पर लगाया

यूपी, बिहार, झारखंड सहित 6 राज्यों में उपलब्ध कराये काम

रेलमंत्री पीयूष गोयल की निगरानी में मजदूरों को दिए रोजगार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। भारतीय रेलवे ने गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अंतर्गत 18 सितम्बर तक छह राज्यों में नौ लाख 79 हजार 557 दिहाड़ी रोजगार प्रदान किये हैं। इसमें बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्य के प्रवासी मजदूरों को काम पर लगाया गया। इसकी निगरानी खुद रेलमंत्री पीयूष गोयल कर रहे हैं। इन राज्यों में लगभग 164 रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। रेलवे की ओर से 18 सितंबर तक 12 हजार 276 श्रमिकों को इस अभियान से जोड़ा गया है और ठेकेदारों को कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं के लिए 2056.97 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसके लिए रेलवे ने प्रत्येक जिले के साथसाथ राज्यों में भी नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं ताकि राज्य सरकार के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित हो सके।

रेल मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक दिल्ली, मुबंई छोड़ अपने गांव पहुंचे प्रवासी मजदूरों के लिए रेलवे ने कई ऐसे कार्यों की पहचान की है जिन्हें इस योजना के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है। इसमें समतल क्रॉसिंग के लिए नज़दीकी सड़कों का निर्माण और रखरखाव, रेलवे ट्रैक के किनारे गाद वाले जलमार्ग, खाइयों तथा नालों की सफाई और विकास, रेलवे स्टेशनों तक पहुंचने के लिए समीपवर्ती सड़कों का निर्माण और रखरखाव, मौजूदा रेलवे तटबंधों और उपमार्गों की मरम्मत तथा चौड़ीकरण, रेलवे भूमि की अंतिम सीमा तक वृक्षारोपण और मौजूदा तटबंधों, उपमार्गों और पुलों का संरक्षण कार्य।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड19 महामारी से प्रभावित हुए प्रवासी मजदूरों की आर्थिक समस्याओं को दूर करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए 20 जून को गरीब कल्याण रोजगार अभियान की शुरुआत की थी। अनेक राज्यों से वापस लौटे प्रवासी श्रमिकों की बड़ी संख्या को उनके अपने क्षेत्रों और गांवों में आजीविका के अवसर प्रदान करना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। इसके तहत टिकाऊ ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 50,000 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। 125 दिनों का यह अभियान मिशन मोड में चलाया जा रहा है और इसमें 6 राज्यों के 116 जिलों में 25 तरह के कार्यों और गतिविधियों का क्रियान्वयन शामिल है। यह अभियान 12 अलगअलग मंत्रालयों तथा विभागों के बीच एक संयुक्त प्रयास है। इसके तहत ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सड़क परिवहन और राजमार्ग, खान, पेयजल और स्वच्छता, पर्यावरण, रेलवे, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, नई और नवीकरणीय ऊर्जा, सीमा सड़क, दूरसंचार और कृषि से सम्बंधित 25 सार्वजनिक निर्माण कार्यों और गतिविधियों से संबंधित कार्यान्वयन को तेज करने के लिए आजीविका के अवसरों में वृद्धि की जा रही है।

जरूरतमंदों को राशन देने के लिए में वितरित किए गए 2000 कूपन

नई दिल्ली। अनलॉक की शुरुआत होने के इतने समय बाद भी, जिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को राशन और खाने समस्या से जूझना पड़ रहा है. उन लोगों को राहत देने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सहायता पैकेज के अंतर्गत दिल्ली की हर विधानसभा में 2000 कूपन दिए जा रहे हैं. इन कूपन को आज उत्तम नगर विधायक नरेश बाल्यान द्वारा विभिन्न वार्ड अध्यक्षों को वितरित किया गया, जो आगे गरीब और जरूरतमंदों को यह कूपन देंगे. इस कूपन में दाल, चावल, गेहूं रिफाइंड ऑयल, टूथ ब्रश, मसाले आदि मूलभूत जरूरत की सामग्री उपलब्ध थी. उत्तम नगर विधायक नरेश बाल्यान ने बताया मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिए गए, इन कूपन को उन्होंने उत्तम नगर विधान सभा के पांचों वार्ड में वितरित किए है, जिसमें से प्रत्येक वार्ड को 400 कूपन वितरित किए गए है।

दिल्ली में कोरोना से और 38 मौतें, 1800 कंटेनमेंट जोन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 सितंबर। दिल्ली में कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। बीते 24 घंटों में दिल्ली में कोरोना से 38 व्यक्तियों की मौत हो गई। इसी दौरान कोरोना के 4219 नए मामले भी सामने आए हैं। इसके साथ ही कोरोना से संक्रमित व्यक्तियों की कुल संख्या 2.40 लाख के पार हो गई। बीते 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए 61,973 आरटी पीसीआर और एंटीजन टेस्ट किए गए। बीते 2 महीने के दौरान दिल्ली में कोरोना रोगियों की संख्या में लगातार कमी आई थी। हालांकि अब दिल्ली में दिल्ली में कोरोना की टेस्टिंग बढ़ने के साथ ही कोरोना पॉजिटिव मामलों में भी तेजी आई है। शनिवार को दिल्ली सरकार ने कोरोना बुलेटिन जारी करते हुए कहा, 'बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 4071 नए मामले सामने आए हैं। इसी दौरान 4219 कोरोना संक्रमित व्यक्ति स्वस्थ हुए हैं। 24 घंटों के दौरान ही दिल्ली में 38 व्यक्तियों की कोरोना से मौत हो गई। अब तक 4,945 लोग कोरोना के

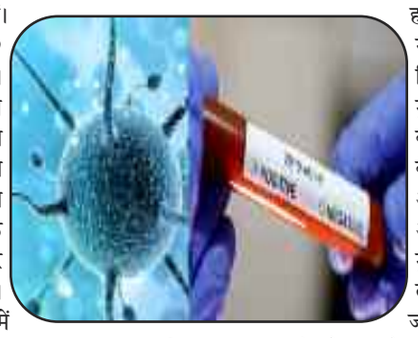

कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। राष्ट्रीय राजधानी में कुल 2,42,899 व्यक्तियों को कोरोना हुआ और इनमें से 2,05,890 व्यक्ति स्वस्थ हो चुके हैं। दिल्ली में फिलहाल 32,064 एक्टिव कोरोना रोगी हैं।' वहीं दिल्ली में लगातार कंटेनमेंट जोन की संख्या भी बढ़ रही है। फिलहाल पूरी दिल्ली में 1820 कोरोना कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। गौरतलब है कि कोरोना की रोकथाम के साथ ही दिल्ली में डेंगू की रोकथाम के लिए भी एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 10 हफ्ते का यह अभियान प्रत्येक रविवार सुबह 10 बजे 10 मिनट के लिए चलाया जाता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'डेंगू के खिलाफ अभियान के दूसरे रविवार को मैंने फिर से अपने घर का निरीक्षण किया और जमा पानी को बदल दिया। मुझे इसमें केवल 10 मिनट लगे, आपको भी अपने घर की जांच करनी चाहिए। डेंगू हारेगा और दिल्ली एक बार फिर जीतेगी। डेंगू के लिए कुछ निवारक उपायों में घर, आसपास और फूल दान में जमा पानी को निकालना, कूलर में जमा पानी को बदलना, या जमा पानी में तेल या पेट्रोल की कुछ बूंदें डालना और पानी के टैंकों को हमेशा ढक्कन के साथ ढककर रखना शामिल है।'

बाबरपुर में मास्क, चश्में एवम फल वितरण

नई दिल्ली। कोरोना वैश्विक बीमारी के लगातार दिल्ली में बढ़ते आंकड़े को देखते हुए सेवा सप्ताह का छठे दिन बाबर पुर में कोरोना से बचाव के लिए मास्क वितरण स्वास्थ्य रक्षा हेतु फल वितरण एवम आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मे का वितरण क्षेत्र की भाजपा निगम पार्षद द्वारा बाबरपुर बस टर्मिनल पर किया गया। नर सेवा नारायण सेवा पंक्तियों को सार्थक करते हुए यह सुकार्य किया गया।करोना से डरना नहीं लड़ना है, हमारा संकल्प स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत सुंदर भारत के संकल्प के साथ आज सेवा सप्ताह का छठा दिन बाबरपुर टर्मिनल पर निगम पार्षद यह जिसमें आर डब्लू ए के अध्यक्ष वीरेंद्र राहुल शर्मा, मण्डल के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, रवि कपूर, विकास गोयल, अभिषेक जैन विष्णु, अमित गुप्ता पूनम गुप्ता प्रिया अग्रवाल, बबली शर्मा मोनिका शर्मा अनुपमा ललिता शर्मा और पार्टी के अन्य कार्यकर्ता एवं आरडब्लूए के पदाधिकारीगोवर्धन विद्या निकेतन के प्रबंधक विष्णु दत्त शर्मा उपस्थित रहे सभी साथियों के द्वारा 530 मास्क 270 चश्मे और फल वितरित किए गए।

जम्मू-कश्मीर में युवाओं के सपने साकार करेगी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः राष्ट्रपति

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितंबर । राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सराहना करते हुए कहा कि यह जम्मूकश्मीर के युवाओं को उनकी वास्तविक क्षमता का एहसास कराकर उनके सपनों को साकार करने में मददगार बनेगी। राष्ट्रपति कोविंद आज जम्मूकश्मीर में एनईपी2020 के कार्यान्वयन पर आयोजित एक सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

सम्मेलन में जम्मूकश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और विश्वविद्यालयों के कुलपति और कॉलेजों के प्राचार्य भी मौजूद थे। राष्ट्रपति ने कहा कि जम्मूकश्मीर बेहद प्रतिभाशाली लोगों की भूमि है। इसके युवाओं ने हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। आज, जब हम जम्मूकश्मीर में एक नई सुबह देख रहे हैं, हम चाहते हैं कि इस क्षेत्र के युवा अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बदलाव के अग्रदूत बनें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्हें अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने और उनके सपनों को सच करने में मदद करेगी। कोविंद ने कहा कि उनका सपना जम्मूकश्मीर को ज्ञान, उद्यम, नवाचार और कौशल विकास के केंद्र के रूप में उभरता देखना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से आप इस नीति को अक्षर और भाव में लागू करके इस स्वर्ग को ज्ञान, नवाचार और सीखने का एक केंद्र बनाने का दृढ़ प्रयास करेंगे। युवाओं को सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने कहा कि उनका यह दृढ़ विश्वास है कि परिवर्तन का सबसे बड़ा उत्प्रेरक शिक्षा है और युवा सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम है।

उन्होंने कहा कि और जब जब ये दोनों ताकतें एक साथ आई हैं, इसने इतिहास को बदल दिया है। राष्ट्रपति भवन में प्रत्येक वर्ष जम्मूकश्मीर के स्कूली बच्चों से मुलाकात का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वह अपने अनुभव के आधार पर दृढ़ विश्वास के साथ कह सकते हैं कि जम्मूकश्मीर अत्यंत बुद्धिमान, प्रतिभाशाली और इनोवेटिव बच्चों का भंडार है। उन्होंने कहा कि अनादिकाल से जम्मू और कश्मीर साहित्य और शिक्षा, विज्ञान और अध्यात्म का केंद्र रहा है।

किसानों की आय 2028 से पहले दोगुनी नहीं होगीः डेरेक

नई दिल्ली, 20 सितंबर (वेबवार्ता)। 2020 तक किसानों की आय दोगुनी करने के केंद्र के दावे पर कटाक्ष करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने रविवार को राज्यसभा में कहा कि यह 2028 से पहले दोगुनी नहीं होगी। राज्यसभा में पेश किए गए विवादास्पद कृषि विधेयकों पर चर्चा करते हुए, तृणमूल सांसद ने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। आपने 2020 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। मौजूदा दर पर, यह 2028 से पहले नहीं होगा। वह प्रधानमंत्री द्वारा शनिवार को की गई उस टिप्पणी का उल्लेख कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ लोग किसानों को गुमराह करने और उनसे झूठ बोलने की कोशिश कर रहे हैं। भूमि अधिग्रहण बिल और तृणमूल के रुख का जिक्र करते हुए डेरेक ने कहा, बिल पर बोलने के लिए तृणमूल कांग्रेस कितना योग्य है? सात साल पहले .. भूमि अधिग्रहण बिल के दौरान हमने किसानों के पक्ष में बात की थी। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किसानों के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। तृणमूल नेता ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के किसानों की आय दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा, बहस को एमएसपी तक नहीं लाएं। हम बिलों में हर चीज का विरोध कर रहे हैं। केंद्र को राज्यों में इन्हें लागू करने का अधिकार नहीं है। राज्य किसानों के हितों को सुनिश्चित नहीं कर सकेंगे? आप यहां किसे बेवकूफ बनाने जा रहे हैं। उपभोक्ताओं के लिए भी, क्या संरक्षण है? इन विधेयकों पर चर्चा और बहस करनी होगी। तृणमूल सांसद ने राज्य सभा की प्रवर समिति को कृषि बिल भेजने के लिए संशोधन भी प्रस्तावित किया।

कृषि संबंधी विधेयक 'किसान हितैषी' एमएसपी की व्यवस्था जारी रहेगी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितंबर । संसद ने रविवार को कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य विधेयक2020 और कृषक कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक 2020 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों के भारी हंगामे के बीच कृषि संबंधी इन दो विधेयकों को आज मंजूरी दी गई। लोकसभा में ये विधेयक पहले ही पारित हो चुके हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि उपज एवं कीमत आश्वासन संबंधी विधेयकों को 'किसान हितैषी' बताते हुए कहा कि किसानों की उपज की, न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था के तहत खरीद हो रही है और यह आगे भी जारी रहेगी। राज्यसभा में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने कृषि संबंधी दो विधेयकों को किसान विरोधी करार

देते हुए आसन के समीप आकर भारी हंगामा किया। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही कुछ देर स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक विधेयक हैं और इनसे किसानों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेंगे। इन विधेयकों पर कई विपक्षी दलों का तर्क है कि यह विधेयक एमएसपी प्रणाली द्वारा किसानों को प्रदान किए गए सुरक्षा कवच को कमजोर कर देंगे और बड़ी कंपनियों द्वारा किसानों के शोषण की स्थिति को जन्म देंगे। चर्चा के दौरान कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल जैसे दलों ने विधेयक को संसद की प्रवर समिति को भेजने की मांग की। सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, '' किसानों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था जारी रहेगी और इन विधेयकों के कारण इस व्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।'' तोमर ने कहा कि इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य दिलाना सुनिश्चित होगा।

फेसबुक ने घृणा फैलाने वाले भाषणों से निपटने के तरीके का बचाव किया

नई दिल्ली । फेसबुक इंडिया के प्रमुख अजीत मोहन ने सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों के कथित घृणा फैलाने वाले भाषणों से निपटने के तरीके का बचाव करते हुए कहा कि मंच (फेसबुक) तटस्थ और बिना किसी तरह के पक्षपात के काम करता है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने विभिन्न टीमों से प्राप्त इनपुट के आधार पर कदम उठाये हैं।

मोहन ने पीटीआई के साथ एक साक्षात्कार में फेसबुक इंडिया के फैसलों को व्यक्तियों के राजनीतिक झुकाव से प्रभावित होने के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मंच की प्रक्रिया को इस तरीके से तैयार किया गया है कि कोई भी व्यक्ति इसे प्रभावित नहीं कर सके या अकेले दम पर निर्णय नहीं ले सके। उन्होंने कहा, ''टीम की सामग्री नीति सभी प्रवर्तन निर्णयों के केंद्र में है और भारत में सार्वजनिक नीति टीम (जो सरकारी संबंधों को संभालती है) से अलग व स्वतंत्र है।'' मोहन ने कहा, ''यह स्वतंत्रता के लिये डिजाइन किया गया है। सामग्री प्रबंधन टीम केवल सामुदायिक मानकों से निर्देशित है। इसका उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के तटस्थ तरीके से काम करना है।'' उन्होंने कहा, ''लोगों के दृष्टिकोण या झुकाव हो सकते हैं। हमारी प्रणाली यह सुनिश्चित करने के लिये तैयार की गयी है कि कोई भी व्यक्ति परिणामों को प्रभावित नहीं कर सकता है।'' पिछले महीने वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट पर मचे राजनीतिक तूफान के बीच फेसबुक इंडिया के प्रमुख की यह टिप्पणी आयी है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि भारत में अपने व्यावसायिक हितों की रक्षा करने के लिये फेसबुक ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के भड़काऊ भाषणों की अनदेखी की।

निरंकारी मिशन के रक्तदान शिविर में उमड़े स्वयंसेवक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर । संत निरंकारी मिशन की प्रमुख सदगुरु माता सुदीक्षा के निर्देशन में संत निरंकारी सत्संग भवन पालम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर भारी संख्या में निरंकारी मिशन के स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ स्थानीय विधायक भूपिंदर सिंह ने किया। इस मौके पर स्थानीय संयोजक राम शरण ने कहा कि मिशन के भक्तों के लिए रक्त का दान पहले से ही भक्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। मिशन के पूर्व प्रमुख बाबा हरदेव सिंह महाराज के शब्दों से निर्देशित करते हैं कि रक्त नसों में बहना चाहिए न कि नालियों में। उन्होंने भक्तों का आह्वान किया कि वे निस्वार्थ भाव से समुदाय की सेवा करते रहें।

उन्होंने फाउंडेशन द्वारा समुदाय की सेवा के लिए की गई अन्य गतिविधियों के बारे में भी बताया। इन मौके पर निरंकारी भक्तों के उत्साह को देखते हुये इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी ने आग्रह किया कि रक्तदान शिविरों का आयोजन माह सितम्बर के अंत तक बढ़ा दिया जाये, क्योंकि इन महीनों में गर्मी के कारण देश की लगभग सभी ब्लड बैंकों में रक्त की कमी हो जाती है।

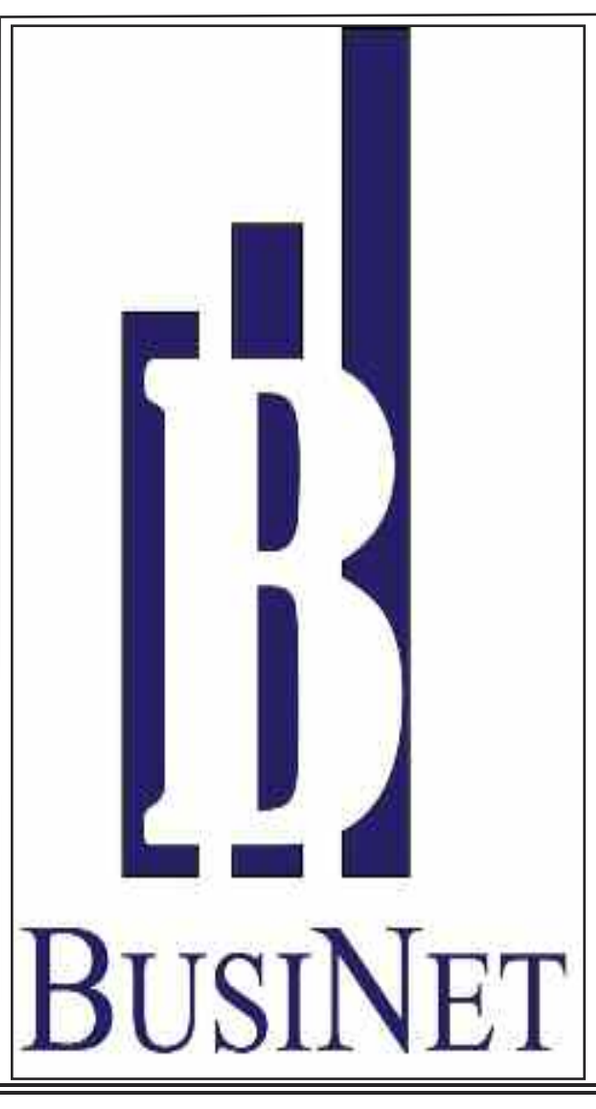

संपादकीय

उप्रः धर्मांतरण विरोधी कानून से लगेगी लगाम

बीते दिनों उत्तर प्रदेश में हो रही लव जिहाद की घटनाओं से सरकार की संचालन प्रक्रिया पर जनता से सवाल उठाना शुरू कर दिया था लेकिन इस मामले पर स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी निगाह बनाई हुई थी। मामलों में लगातार वृद्धि होने पर अब प्रदेश सरकार ने धर्मांतरण विरोधी कानून लाने के लिए अधिकारियों को खाका बनाकर लागू करने के आदेश दे दिये।

इससे पूर्व यह कानून देश के आठ राज्यों में लागू है। देश में सबसे पहले 1967 में ओडिशा में यह कानून लागू हुआ था और इसके एक साल बाद 1968 में मध्य प्रदेश में इसे लाया गया था। इसके बाद हिमाचल प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड जैसे राज्यों में यह कानून है। अब उत्तर प्रदेश में भी जल्द ही देखने को मिलेगा। इस कानून के तहत कोई किसी को धोखे में नहीं रख सकता और न ही कोई किसी फायदे के लिए किसी का जबरन धर्म परिवर्तन करवा सकता।

प्रदेश में लव जिहाद की घटनाएं जिस तरह लगातार बढ़ रही हैं उससे एक बात तय हो चुकी है कि खतरनाक उद्देश्य के लिए हिंदू लड़कियों को शिकार बनाया जा रहा है। ऐसे लोग अपनी असली पहचान को छुपाने के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग तो कर ही रहे हैं, नकली आधारकार्ड बनाकर भी अपनी सही पहचान छुपा रहे हैं। पूर्व की कुछ घटनाओं में ऐसे चैंकाने वाले मामले सामने आए जिसपर मानवता शर्मसार होने लगी। पोल खुलने पर लड़की का जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने के लिए उसपर व उसके परिवार पर जानलेवा हमले किये गए।

सबसे ज्यादा फेसबुक पर ऐसे युवाओं को देखा जा रहा है जो हिन्दू नाम से अपनी पहचान बनाकर हिन्दू युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनकी जिंदगियां बर्बाद कर रहे हैं। हम ऐसी खबरें रोज देखते हैं जो चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। लड़कियों को पहले तो फर्जी नाम से प्रोफाइल बनाकर उनको अपना शिकार बनाते हुए उनसे शादी कर लेते हैं। शादी के बाद जल्दी से लड़की को गर्भवती कर देते हैं चूंकि यह बात ऐसे लोग बहुत अच्छी तरह से समझ जाते हैं कि बच्चे होने के बाद लड़की कुछ नहीं कर पाती। हकीकत पता चलने के बाद लड़की का धर्म परिवर्तन कराने के दबाव बनाते हैं। अधिकतर केसों में लड़की को इनकी बात माननी ही पड़ती है। नहीं मानने पर देखा गया है कि उन्हें मार भी दिया जाता है। ऐसे मामलों में लड़की के परिजन भी कुछ नहीं पाते चूंकि जो लड़की, परिजनों की मर्जी के खिलाफ शादी कर लेती हैं तो लड़की के घरवाले उससे रिश्ता खत्म कर लेते हैं।

आज के दौर में मात्र सौ रुपये की वस्तु को खरीदने के लिए हम कितनी जांच पड़ताल करते हैं लेकिन जिसके साथ पूरी जिंदगी बितानी है उसके बारे में कुछ भी नहीं जानना चाहते। चूंकि प्यार का भूत इस कदर सवार होता है हर समझाने वाला दुश्मन नजर आता है। प्यार करना गुनाह नहीं है लेकिन एक ही तरह के केस सामने आने पर यदि हम सीख नहीं ले रहे तो आखिर हम किस नजरिये से समझदार कहला सकते हैं। यहां लड़कियों को समझना चाहिए कि बेटी, मांबाप के जिगर का वो टुकड़ा होती हैं, जिसकी वह पूरी जिंदगी सुरक्षा चाहते हैं। लवमैरिज अपराध नहीं है लेकिन यह भी समझना चाहिए कि जिसके साथ पूरी जिंदगी बिताने का फैसला आप ले रहे हैं, उसके बारे में उचित जांचपड़ताल तो किया ही जाना चाहिए। दुनिया में कौनसे ऐसे मांबाप हैं जो अपने बच्चों का भला नहीं चाहते। मातापिता तो पूरी जिंदगी अपनी खुशियां मारकर बच्चों के सपनों को पूरा करते हैं तो आखिर हम क्यों भूल जाते हैं वे हमारे साथ अच्छा नहीं करेंगे। वहीं दूसरी ओर अभिभावकों को यह सोचना चाहिए कि यदि बच्चे गलत दिशा की ओर जा रहे हैं तो उनसे नाराज न होकर हर तरह का प्रयास करके समझाना चाहिए।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

महिलाओं के लिए पुरानी परंपरा तोड़ना जरूरी है

अगर सौ साल पहले का कोई व्यक्ति वापस आ जाए तो उसे सबसे क्रांतिकारी परिवर्तन महिलाओं की स्थित पर देखने को मिलेगा। महिलाओं के स्थान, क्षमता और विचारों में इतना अधिक परिवर्तन होने के बावजूद अभी भी तमाम पुरानी मान्यताएं बदली नहीं हैं। आज भी महिलाओं का अपमान करने वाली, उसकी ताकत और क्षमता पर सवाल उठाने वाली और उसका मजाक बनाने वाली तमाम धारणाओं और भ्रम को तोड़ने की जरूरत है।

महिलाओं को पिंक और पुरुषों को ब्लू रंग अच्छा लगता है। ब्लू रंग जहां आकाश की ऊंचाई और विशालता को दर्शाता है, वहीं पिंक रंग नाजुककोमल गुड़िया और गुलाब की ऋजुता को दर्शाता है। इसका मतलब यह हुआ कि उसे आकाश की ऊंचाई पाने के लिए संघर्ष करने और चुनौती स्वीकार करने से दूर रहना चाहिए और सुनहरे पिंजरे में कैद रहना चाहिए। क्या आप इस धारणा से सहमत हैं। बिलकुल नहीं, आज की नारी कोमल तो है, पर संघर्ष करने और चुनौती स्वीकार करने से डरती नहीं है। बल्कि जीवन में सबसे अधिक संघर्ष आज महिलाओं को ही करना पड़ रहा है। आकाश को छूने और ऊंचाई दोनों इनमें है तो किस लिए इन्हें फूल की कोमलता के साथ आकाश का विशालता का परिचय न होने दें और इसमें आज महिलाओं ने ब्लू डेनिम ब्लू रंग पर पुरुषों की एकाधिकारता छीन ली है। तो रंगों के बारे में महिलाओं की दर्शाने की जरूरत नहीं रही। महिलाओं के बारे में दूसरी गलतफहमी यह है कि ड्राइविंग कैसे की जाए, यह महिलाओं को पता नहीं है यानी महिलाएं खराब ड्राइवर हैं। पर यह कहने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि आज महिलाएं ट्रेन, ऑटो, बस, प्लेन और फाइटर प्लेन भी चला रही हैं। महिलाओं के लिए कहा जाता है कि इनकी तीखी नजर दूर तक देख सकती है, परंतु कार पार्क करते समय ये अगलबगल या पीछे टक्कर मार ही देती हैं। यूके के एक इंग्लिश डिफेसिंव ड्राइविंग स्कूल द्वारा की गई रिसर्च के अनुसार ड्राइविंग सीखने के दौरान महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा बहुत ही अच्छी तरह गाड़ी पार्क करती हैं। रिवर्स पार्किंग पहली बार ठीक से करने वाली महिलाओं का प्रतिशत 1 2 है। एक वीमा इंश्योरेंस सर्विस का सर्वे कहता है कि चार साल में गाड़ी का क्लेम करने वाली महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों की संख्या 65 प्रतिशत अधिक थी। महिलाएं गाड़ी भिड़ाती भी हैं तो बड़ी दुर्घटना नहीं करतीं। क्योंकि वे काफी सवधान रहती हैं। कार का बड़ी रकम का क्लेम भी पुरुष ही ज्यादा लेते हैं। महिलाएं सावधानी की वजह से थोड़ा धीमे और टर्निंग आदि

पर सोचविचार कर ड्राइव करती हैं। फिर भी आरोप लगता है कि महिलाएं पुरुषों के बराबर गाड़ी नहीं चला सकतीं। अब सवाल यह है कि जान को जोखिम में डालने वाली टक्कर या धीमी गति अच्छी ड्राइविंग कही जाएगी। क्या बड़ी दुर्घटना करना और बारबार क्लेम लेना, इस तरह बारबार गाड़ी ठोंकने वाले पुरुषो की ड्राइविंग अच्छी कही जाएगी?

महिलाओं पर तीसरा ओराप है कि ये गासिप गर्ल हैं। अगर चार महिलाएं मिल जाएं तो सारे कामकाज भुला देती हैं। और पुरुष तो सीधेसादे गांधी जी के तीन बंदरों की तरह हैं। न खराब बोलते हैं, न खराब देखते हैं और न खराब सुनते हैं। अध्ययन कहते हैं कि यह बात भी सच नहीं है। पुरुष भी महिलाओं जितनी ही बातें करते हैं। बस, उनकी बातों का विषय महिलाओं की अपेक्षा अलग होता है। महिलाएं अपने सौंदर्य और पड़ोसियों की बातें करती हैं। पुरुष पूरे देश और दुनिया की बातें करते हैं। महिलाओं के लिए घर, बच्चे और कामवाली जैसे विषय सदाबहार हैं, जबकि पुरुष मूवी, सेक्स, बॉस, राजनीति और महिलाएं मुख्य विषय होती हैं। निंदारस मानवमात्र का फेवरिट रस है। इससे पुरुष बचे हैं, ऐसा हरगिज नहीं है। चौथी मान्यता यह है कि महिलाओं ने बहुत पाप किए हैं, इसलिए उन्हें मासिक आता है। आज के वैज्ञानिक युग में यह कितनी वाहियात बात है। मासिक तो महिलाओं की सर्जन क्षमता की निशानी है। मनुष्य से मनुष्य के सर्जन करने की पीड़ा है। महिला ताकतवर है, लायक है, नौ महीने बच्चे को पेट में रखना उसका धीरज और साहस है। भगवान ने उसे यह विशेष बख्शीस दी है। महिला को मासिक के दौरान उसे दूर रखने के पीछे धार्मिक नहीं, मनोवैज्ञानिक कारण है। ब्लीडिंग होने के कारण महिला उदास चिड़चिड़ी और थोड़ी निगेटिव हो जाती है। जिससे उस स्थिति में खाना बनाने पर भोजन में इसका असर हो सकता है और दूसरे उसे आराम की भी जरूरत होती है। दर्द के कारण वह सेक्स का भी आनंद नहीं ले सकती। पुरुषों को शायद पुरुषों की संवेदना पर भरोसा नहीं था, इसलिए मासिक को धर्म के साथ जोड़ दिया होगा, जिससे पुरुष उन्हें परेशान न करें। बाकी जो चीज सर्जन की निशानी है, वह पाप का प्रतीक कैसे हो सकती है। महिलाएं त्वरित निर्णय नहीं ले सकतीं, यह भी एक भ्रामक आक्षेप है। जब भी महिलाओं को जिम्मेदारी, अधिकार और हक मिला है, तब उन्होंने उचित निर्णय लिया है। पुरुषप्रधान समाज में आज तक महिलाओं को घर के अंदर के निर्णयों के अलावा अन्य कोई निर्णय लेने का मौका ही नहीं मिला। हमें लगता है कि आज भी पुरुष जहां दिक्कत महसूस करता है, वहां महिलाओं द्वारा लिया गया निर्णय एकदम फिट बैठता है। इसकी वजह यह है कि महिला का दिमाग समग्र स्थिति का एक साथ आकलन कर के सोचविचार सकता है। क्योंकि उसमें सिक्स्थ सेंस अधिक होता है। 2007 में कोपनहेग म्युनिसिपल हॉस्पिटल के सेल्स (कोशिका) विभाग में किए गए एक शोध के अनुसार पुरुष के दिमाग में महिलाओं के दिगाग की अपेक्षा चार अरब अधिक कोशिकाएं होती हैं। परंतु वास्तविक परीक्षण में महिलाओं की सामान्य बुद्धिमत्ता पुरुषों की अपेक्षा मात्र 5 प्रतिशत अधिक होती है और महिलाओं की सूझबूझ तथा दूरदृष्टि का परिचय तो हर परिवार को होता ही है। यहां एक बात सच है कि महिलापुरुष, दोनों को समस्याओं को समझने और हल करने की ढ़ंग अलग होता है। परंतु उसे कमजोर या मजबूत साबित करना उचित नहीं है।

महिलाए स्पोर्ट्स लवर नहीं होतीं। वाह! कहने के लिए यह ख्याल अच्छा है जनाब! पर इसके लिए जिम्मेदार कौन है? बचपन से अब तक लड़कियों को खेलकुद लड़कों के लिए है, यह कह कर दूर रखा गया। जब से महिलाओं को खेल के लिए प्रोत्साहन मिलना शुरू हुआ है, तब से शहर से ही नहीं, गांवों से भी प्रतिभाएं बाहर आ रही हैं। विघ्नों के चक्रव्यूह के सात चक्रों को पार कर के पिछले दस सालों में साइना, पी वी सिंधु, मेरिकॉम, बबीता फोगट, दूतीचंद और हीना सिद्धू की सफलता देख कर तमाम लड़कियां खेल में हिस्सा लेने लगी हैं।

वीरेन्द्र बहादुर सिंह,
नोएडा ।
www.womenexpress.in

कृषक कल्याण के क्रांतिकारी कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से व्यवस्था में मौजूद बिचौलिए नदारत हुए है। जरूरतमन्दों तक सीधे सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचना संभव हुआ है। अन्यथा पद रहते हुए एक पूर्व प्रधानमंत्री को व्यवस्था की सच्चाई उजागर करनी पड़ी थी। उनका कहना था कि नई दिल्ली से सौ पैसे भेजे जाते है,इसमें से मात्र पन्द्रह पैसे ही जरूरतमन्दों तक पहुंचते है। नरेंद्र मोदी ने इस यथास्थिति को बदला। इस कारण शतप्रतिशत राहत गरीबों तक पहुंचने लगी। किसानों के खाते में उपज का मूल्य,किसान सम्मान निधि आदि सीधे पहुंचने लगी। सरकार ने सुधारों की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। इसी के दृष्टिगत तीन विधेयक लाये गए। लेकिन विपक्ष को यथास्थिति ही पसंद है। उसे किसानों के नाम पर राजनीति करना बहुत अच्छा लगता है। लेकिन किसान कल्याण हेतु उनके पास कोई योजना नहीं है। यूपीए सरकार ने दस वर्ष में एक बार किसानों के ऋण मोचन हेतु आर्थिक पैकेज दिया था। इसी से अपने को किसान हितैषी घोषित कर दिया। जबकि किसान जहां थे,वही रह गए। अर्थशास्त्री की सरकार को क्यों नहीं लगा कि गरीब किसानों के जनधन खाते खुलवाना आवश्यक है। यह कार्य नरेंद्र मोदी ने किया। कोरोना काल के लाकडाउन में भी किसानों तक सहायता पहुंचती रही। तीन विधेयक भी किसानों के हित के लिए है। लेकिन किसानों को यथास्थिति में रखने वाले विपक्ष ने इस पर राजनीति शुरू कर दी। उनके आंदोलन में कितने किसान है,कितने बिचौलिए है,यह देखना भी दिलचस्प होगा। कुछ वर्ष पहले मध्य प्रदेश में किसान आंदोलन के नाम पर भी यही देखा गया था। उसमें भी राहुल गांधी समर्थन देने पहुंच गए थे। किसानों के नाम पर कुछ लोग दूध और सब्जी सड़क पर फेंक रहे थे। बाद में पता चला कि यह सब बिचौलियों की राजनीति थी। वही सब्जी व दूध वहां पहुंचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था कर रहे थे। फिर उसी को सड़क पर फेंका जाता था। इसके बाद राहुल गांधी अज्ञातवास पर विदेश रवाना हो गए थे। इस बार भी ऐसा लग रहा है कि विपक्ष के पास मुद्दों का अभाव है। इस लिए उसने किसान विधेयक पर ही राजनीति शुरू कर दी। सत्ता पक्ष को यह कहने का अवसर मिला कि विपक्ष बिचौलियों का साथ दे रहा है। सरकार बिचौलियों को बाहर करना चाहती है। उसका उद्देश्य किसानों तक सीधे लाभ पहुचाने की व्यवस्था करना है। कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य संवर्धन और सुविधा,मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर किसान संरक्षण

एवं सशक्तिकरण और आवश्यक वस्तु संशोधन बिल किसानों को सीधे लाभान्वित करने और बिचौलियों से मुक्ति दिलाने के लिए है। लेकिन राहुल फिर मंदसौर के कथित किसान आंदोलन वाली भूमिका में आ गए है। यूपीए के दस वर्षों में उन्हें जो ज्ञान नहीं था,वह जैसे अब प्रकट हो गया। कहा कि किसान खरीद खुदरा में और अपने उत्पाद की बिक्री थोक के भाव करते हैं। मोदी सरकार के तीन काले अध्यादेश किसान खेतिहर मज़दूर पर घातक प्रहार हैं। ताकि न तो उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य व हक़ मिलें और मजबूरी में किसान अपनी जमीन पूंजीपतियों को बेच दें।

राहुल ने इसे मोदी का एक और किसान विरोधी षड्यंत्र करार दिया है। किसान अपनी मर्जी का मालिक होगा। व्यापारी मंडी से बाहर भी किसानों की फसल खरीद सकेंगे। पहले फसल की खरीद केवल मंडी में ही होती थी। राज्यों के अधिनियम के अंतर्गत संचालित मंडियां भी राज्य सरकारों के अनुसार चलती रहेगी। किसानों का भुगतान सुनिश्चित करने हेतु प्रावधान है कि देय भुगतान राशि के उल्लेख सहित डिलीवरी रसीद उसी दिन किसानों को दी जाएगी। इसमें मूल्य के संबंध में व्यापारियों के साथ बातचीत करने के लिए किसानों को सशक्त बनाने हेतु प्रावधान है। विवादों के समाधान हेतु बोर्ड गठित किया जाएगा,जो तीस दिनों के भीतर समाधान करेगा। ढुलाई लागत, मंडियों में उत्पादों की बिक्री करते लिए गए विपणन शुल्कों का भार कम होगा। किसानों को उपज की बिक्री करने के लिए पूरी स्वतंत्रता रहेगी। करार अधिनियम से कृषक सशक्त होगा।सरकार उसके हितों को संरक्षित करेगी। निवेश बढ़ने अनाज की बर्बादी नहीं होगी। उपभोक्ताओं को भी खेत या किसान से सीधे उत्पाद खरीदने की आजादी मिलेगी। कोई टैक्स न लगने से किसान को ज्यादा दाम मिलेगा। उपभोक्ता को भी कम कीमत पर वस्तुएं मिलेगी,अनुबंधित किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज की आपूर्ति, सुनिश्चित तकनीकी सहायता,फसल स्वास्थ्य की निगरानी,ऋण की सुविधा व फसल बीमा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री ने विपक्षी राजनीति का जबाब दिया। कहा कि बिल किसानों को सशक्त बनाएगा। किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए नए नए अवसर मिलेंगे,जिससे की आय बढ़ेगी। किसानों को भ्रमित किया जा रहा है। मोदी ने दावा किया कि एमएसपी समाप्त नहीं होगी। सरकारी खरीद की व्यवस्था बनी रहेगी।

डॉ दिलीप अग्निहोत्री
www.womenexpress.in

मेरे अहसास

तेरे पाने की चाहत में
अपना दर्द तुझे समझा ना सके ,
तुम भी नजर फेर कर
मेरे अहसासो को रौंद कर
चले गये,
पेड़ से गिरा एक सूखा पत्ता
अपने आंशिया से अलग
होगया,
बहुत फडफड़ाया
पर कुछ पैर उसे रौदते चले गये,
पत्ते का कसूर इतना था
कि वह सबसे ऊपर टहनी पर
इठला रहा था इस लिये
रौंद दिया गया,
पर मेरा कसूर क्या था ,
ना इठलाई ना इतराई
बस तुमको आंखों में
उतार लिया था ,
ऐ प्रियतम तुम गले ना लगाते
मेरे अहसासो को रौंदते नहीं ,
बस एक बार प्यार से देख तो
लेते....

डा.मधु आंधीवाल एड.
अलीगढ़ ।

राजनीतिक पतन की एक नई परंपरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिन पर विपक्ष ने विरोध का जो रास्ता चुना है, वो अनैतिक और अलोकतांत्रिक है। हमारे देश में किसी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं, बधाई और आशीर्वाद देने की गौरवशाली परम्परा रही है। किसी भी व्यक्ति जीवन से जुड़े शुभ दिन पर विरोध या निंदा करना हमारी परंपरा, सभ्यता और संस्कृति का हिस्सा कभी नहीं रहा। लेकिन विरोध की अग्नि में अंधे विपक्ष ने भारतीय राजनीति और संपूर्ण राष्ट के समक्ष एक ऐसा अभूतपूर्व अनैतिक उदाहरण पेश किया है, जिसकी जितनी निंदा की जाए वो कम है। भारतीय लोकतंत्र में शायद ये पहला ऐसा अवसर होगा जब विपक्ष ने जनता द्वारा निर्वाचित प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 'राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस' मनाकर विरोध का गुलदस्ता उन्हें भेंट किया है। देश के समस्त महानुभावों के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण दिनों को आदर, सम्मान और श्रद्धा से आयोजित करने की हमारी स्वस्थ एवं समृद्ध परम्परा रही है। विचारधारा के मतभेद और मनभेद के बावजूद किसी सम्मानित एवं महापुरुष के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण दिवसों पर विरोध, निंदा या प्रदर्शन करने का चलन हमारे समाज में कभी नहीं रहा। देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किसी न किसी की विचारधारा और कृतित्व से सहमति नहीं रखता। पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं होता कि उस व्यक्तित्व के जीवन से जुड़े विशेष दिवस पर लक्ष्य करके उसका विरोध किया जाएगा। लोकतंत्र और समाज ही नहीं परिवार में भी सहमति और असहमति आम बात है। तमाम मतभेद, मनभेद, लड़ाई झगड़ों को भुलाकर आम जीवन में हम सब एक दूसरे की खुशी और गमी में शामिल होते हैं। ये तो हमारी परंपरा और सभ्यता का हिस्सा है। ये हमारी सामाजिकता की पहचान है। ये हमारी मनुष्यता की पहचान है। लेकिन विपक्ष ने केवल विरोध के लिए विरोध करने की आड़ में जो अनैतिक, असामाजिक और परंपरा विरोधी काम किया है, वो एक सामाजिक अपराध है। देश में लाखों लोग ऐसे हैं जिनके विचार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सुभाषचन्द्र बोस, डॉ भीमराव आम्बेडकर, सरदार पटेल, डॉ. लोहिया, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जवाहर लाल नेहरू, दीनदयाल उपाध्याय, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, डॉ मनमोहन सिंह, मुलायम सिंह, मायावती आदि से मेल नहीं खाते हैं। राजनीति के अलावा शिक्षा, लेखन, सिनेमा, खेल, पत्रकारिता आदि क्षेत्र में भी कमोबेश यही स्थिति है। बावजूद इसके आपको एक भी ऐसा उदाहरण ऐसा नहीं मिलेगा जब किसी राजनीतिक दल के नेता या कार्यकर्ताओं ने किसी के जन्मदिन या किसी विशेष दिवस पर उनके खिलाफ प्रदर्शन किया हो। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस का प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर किया गया विरोध प्रदर्शन उसकी छोटी सोच का परिचायक है। ऐसा करके कांग्रेस ने लोकतांत्रिक और सामाजिक शिष्टाचार का अपमान किया है। जमीनी सच्चाई यह है कि केन्द्र की मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर महापुरुषों को सम्मान देने का काम किया है। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर, पीवी नरसिम्हा राव, प्रणब मुखर्जी आदि इसके उदाहरण हैं। राजनीतिक दलों में वैचारिक

मतभेद होना स्वाभाविक है। यही मतभेद और विरोध लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करता है। पिछले छह सालों से केन्द्र और देश के अधिकतर राज्यों में भाजपानीत एनडीए की सरकारों का शासन है। लेकिन इस अवधि में आपको एक भी ऐसा उदाहरण देखने सुनने को नहीं मिलेगा जब भाजपा या एनडीए में शामिल किसी दल ने कांग्रेस और विपक्ष के किसी भी नेता, उनके आदरणीय पुरुष या महिला के जन्मदिन पर विरोध प्रदर्शन किया हो। हमारे देश में विचारधारा की लड़ाई कभी सामाजिकता, सामाजिक शिष्टाचार, लोकाचार और परंपराएं में बाधक नहीं बनीं। अगर ऐसा होता तो पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में डॉ. आम्बेडकर और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को स्थान न मिलता। आज कांग्रेस किस तुच्छ मानसिकता का शिकार हो चुकी है, उसे इस पर विचार करना चाहिए? मीडिया के माध्यम से ऐसी तस्वीरें अकसर आती रहती हैं जब धुर विरोधी नेता दूसरे से मिलते हैं। एक दूसरे के पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं के सामाजिक जीवन में एक दूसरे से मधुर संबंध हैं। राजनीतिक कारणों से नेता सार्वजनिक तौर पर इन रिशतों को प्रदर्शन नहीं करते। यहीं हमारे लोकतंत्र व समाज की विशेषता है कि हम प्रसन्नता और विषाद में सब कुछ भुलाकर उसमें सहज रूप में शामिल हो जाते हैं। जन्मदिन पर जब देशदुनिया के लोग प्रधानमंत्री को बधाई और शुभकामनाएं भेज रहे थे, उस समय विपक्ष विरोध करके आखिरकार क्या साबित करना चाह रहा था, ये समझ से परे है। इससे प्रधानमंत्री की छवि पर कितना बुरा असर पड़ेगा ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन विरोध प्रदर्शन करके देश और दुनिया के सामने विपक्ष ने अपने असामाजिक अनैतिक और अशिष्ट चरित्र का प्रदर्शन तो कर ही दिया है।

विपक्ष ने जिस बेरोजगारी का रोना प्रधानमंत्री के जन्मदिन के दिन रोया, पिछले छह सालों में पैदा नहीं हुई। कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता जब देश में बेरोजगारी समेत दूसरी समस्याओं पर छाती पीटते हैं तो वो एक तरह से खुद अपने दल की सरकारों और अपने दल के प्रधानमंत्रियों को कटघरे में खड़ा करते हैं। कोविड के चलते जो हालात पैदा हुए हैं वो किसी से छिपे नहीं हैं। आज भारत ही नहीं विश्व के तमाम बड़े और मजबूत देशों की अर्थव्यवस्थाओं की चूलें हिली हुई हैं। व्यवस्था में कमियां और दोष आज भी हैं, और बीते कल में भी था। कांग्रेस ने अपने लगभग छह दशक के राज में जो कमियां, समस्याएं और दोष मोदी सरकार को उपहार में दिये थे, मात्र छह साल में उनकी पूरी भरपाई संभव नहीं है। आज केंद्र में मोदी सरकार की जगह किसी दूसरे दल की सरकार सत्ता में होती तो उसे भी रोजगार के मोर्चे पर ऐसी ही परेशानियां पेश आती। वास्तव में विपक्ष की चिढ़न, कुढ़न और परेशानी यह है कि मोदी सरकार के विरोध में उसकी किसी भी मुहिम, प्रदर्शन या विरोध को देश की आम जनता का साथ नहीं मिलता। राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस पर कांग्रेस, सपा समेत विपक्ष के अधेड़ उम्र के नेता और कार्यकर्ता ही विरोध करते नजर आये। आम जनता इस विरोध में दूर दूर तक दिखाई नहीं दी। ये जमीनी हकीकत है। पूर्व में नोटबंदी, जीएसटी, तीन तलाक, धारा 370, सीएए और एनआरसी समेत तमाम ऐसे उदाहरण हैं जब देशवासी विपक्ष के साथ खड़े नहीं हुये। हालांकि कांग्रेस समेत विपक्ष पिछले छह साल से आम आदमी, मजदूर, किसान, गरीब, दलित, मुस्लिम और युवाओं को भड़काने का कोई अवसर चूक नहीं रहा। लेकिन हर बार देश की जनता षडयंत्रकारी विपक्ष की अपेक्षा अधिक समझदार निकली। लॉकडाउन में मजदूरों को भड़काने के विपक्ष के षडयंत्र की हवा खुद मजदूरों ने ही निकाल दी थी। देश की जनता बखूबी समझ रही है कि नरेंद्र मोदी की सरकार देश को किस दिशा में आगे बढ़ा रही है। मैंने बार बार कई मौकों पर ये बोला और लिखा है कि मोदी का मौजूदा कद विरोध की उपज है। मोदी की जितनी तीखी और बड़ी आलोचना होती है, उसी अनुपात में उनका कद हर बार बढ़ जाता है। 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस के 'चैकीदार चोर है' के नारे के जवाब में मोदी ने 'मैं भी चैकीदार' का नारा देकर विपक्ष को चारों खाने चित किया था। विचारों में भिन्नता, रगड़ और विरोधाभास लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करता है। विरोध प्रदर्शन करके कांग्रेस समेत विपक्ष ने लोकतंत्र और सामाजिक शिष्टाचार की एक स्वस्थ परंपरा का शील भंग करने का भी काम किया है।

आशीष वशिष्ठ
www.womenexpress.in

वार्तालाप की एक अनमोल कला है मौन

सदियों से मानव पर हो रहे शोधों की अनवरत प्रक्रिया में यह पाया जाता रहा है कि मौनम् स्वीकार लक्षणम् एवं मौनम् अस्वीकार लक्षणम। मौन इन दोनों विरोधाभासी परिस्थितियों का परिचायक होता है।

बहुधा ऐसी परिस्थिति बन जाती है कि हम मुखर होकर समर्थन करना चाहते हैं किन्तु शर्म, संकोच या मितभाषी होने के कारण मौन रह जाते हैं । इस मौन के इर्द गिर्द हमारी आँखों में एक अजीब चमक और चेहरे पर लाली स्वयंमेव आकर कब्जा जमा लेती है जो सामने वाले को यह जता देती है कि यह मौन सहमति का द्योतक है जैसे किशोर आयु वर्ग के लोग स्वयं की शादी जैसी बातों पर लज्जावश मुखर नहीं होते बल्कि मौन सहमति दे देते हैं।

इसके विपरीत ऐसी स्थिति भी आसन्न हो जाती है जब हम द्वितीय पक्ष से सहमत नहीं होते किन्तु भय, मोह, लोभ या ऐसे ही किसी अन्य कारण से मजबूर होकर मुखर असहमति नहीं जता पाते बल्कि मौन रह जाते हैं। इस मौनता में असहमति के भाव तनाव, खिन्नता या बेचारगी के रूप में देखे जा सकते हैं। प्रायः सामाजिक रूप से बड़ों के सामने या नौकरी करते हुए वरिष्ठ के सामने ऐसा ही होता है। इसके अतिरिक्त एक आजन्म या व्याधि मूकता होती है जो वार्तालाप में मौन के रूप में देखी जा

सकती है। इस मौन में हमारी लाचारी आन्तरिक होती है जिसमें बाह्य परिस्थिति की कोई भूमिका नहीं होती। चाह कर भी इस मौन को तोड़ा नहीं जा सकता। उपरोक्त प्रथम दोनों परिस्थितियों में मौन होना एक कौशल के रूप में है और सब मिलाकर फायदेमंद भी । कभी कभी ऐसी स्थिति भी आ सकती है जब मौन होना परोक्षतः अन्याय का समर्थक बन जाता है। यदि आपके समक्ष वार्तालाप में सम्मिलित व्यक्ति या व्यक्ति समूह आपके मौन का सही आशय न समझ पाये तो परिणाम भयावह हो सकता है। जैसे मौन स्वीकृति को ठीक से समझे बिना अस्वीकृति के रूप में ले लिया जाए तो बना बनाया काम हमारे प्रतिकूल जा सकता है और इसके विपरीत असहमति वाले मौन को सहमति मान लिया जाए तो पछतावे के अलावा कुछ भी हाथ नहीं लगता। कुरु दरबार में द्रौपदी चीर हरण के दुखद समय में पितामह, द्रोण कृपि आदि का मौन, महाभारत का प्रबल कारण बना जबकि उस समय का मुखर विरोध परिस्थिति को बदल सकता था। वार्तालाप में मौन रहकर भागीदारी निभाना बड़ी कुशलता है किन्तु सचेत रहते हुए।

डॉ अवधेश कुमार अवध
मेघालय ।
www.womenexpress.in

ऐसी होती हैं बेटियां

खेलती है घर आंगन में,जैसे हो
फुदकती चिरैय्या
रैन बसेरे में फिर मेहमान
सी,क्यूं होती है बेटियां।

आने से जिसके,खुश होती हैं
बगिया में तितलियां
ऐसी मासूम कलियां,सहेलियां
सी होती है बेटियां।

नाजुक हैं जितनी उतनी,शक्तियों
का हैं ज्योतिपुंज
रोता है दिल मांबाप का,गर
दुखी होती है बेटियां।

जन्म से ही होती समझदार एवं
दिव्य सद्गुणों की खान
पढ़ लिख कर नाम जग
में,रोशन करती है बेटियां।

ओस की बूंदों के मोतियों
की,तुम बना लो चाहे माला
कटु सत्य है दूजे के,घर की
शोभा होती है बेटियां।

अपनी मनःस्थिति में भर
लो,क्यूं ना ऐसी भावना
ये मान भी लो बहू भी,किसी
की होती है बेटियां।

जो दे दे अपनी बेटी तुम्हें,मानों
सदा उसका उपकार
किसी जन्म के पुण्य
का,प्रतिफल होती है बेटियां ।

होते हैं किस्मत वाले वरदान
में,जिन्हें मिलती हैं बेटियां
जीवन की रंगोली में,खुशियों के
रंग भरती है बेटियां।

बेटी गर आज है तो,बहू होती है
बुढ़ापे का सहारा
प्रकट करो आभार रब
का,जिसने बख्शी है बेटियां।

यूं ही नहीं मान लेती है,दुनिया
इन बेटियों को देवियां
दूर होकर भी भावनात्मक,सहारा
होती है बेटियां।

नीरू जैन निरुपमा
मेरठ, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आखिर कैसे हमारा देश विश्वगुरु बनेगा ऐसे में ?

देखो देखो आप लोकतंत्र का
नया अवतार
खून से सने हाथ लेकर वो प्रेम
सीखा रहे हैं
वंचित व बेरोजगारों के
आवाज़ को दबा रहे
जातिधर्म के नाम पर ये देश
जला रहे हैं।।
अजीब विडंबना आज लोकतंत्र
का होता जा रहा
माँगते रहे हैं जो एक
आतंकवादी के लिए इंसाफ
आज वो देश को लोकतंत्र का
पाठ पढ़ा रहे हैं
आखिर कैसी आजादी अब दे
इनको साथियों ?

देखो किसी भी देश के
विकाश में युवाओं का
भूमिका प्रमुख होती है लेकिन
आज देखो ना
बड़ी बड़ी डिग्री लेकर युवा
बेरोजगार बैठा है
और दसवीं फेल शान से ये
देश चला रहे हैं ।।

वर्षों तक खाते रहे हैं देश को
दीमक के जैसे
वही आज चौकीदार चोर है के
नारे लगा रहे हैं
बेरोजगारी ,गरीबी और देश में
तनाव कितना है
लेकिन नेता जी एसी में बैठ
कर भाषण दे रहे है।।

देखो ना अजीब विडंबना है कि
जब भी आप
रोजगार बोलोगे तो वो
पाकिस्तान मुर्दाबाद कहेंगे
आखिर कैसे हमारा देश
विश्वगुरु बनेगा ऐसे में ?
संभल जाओ लोकतंत्र को
बचा लो देशभक्तो।।

विक्रम क्रांतिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय अध्येता।
www.womenexpress.in

मोहब्बत...

दरदर भटका था वो
जानें कितने दिये जलाएं।
कितने मजारों को पूजा
थे जानें कितने चादर चढ़ाएं।।
पर थककर पहुंचा जब वह
माँ विंध्यवासिनी के दर पर
भर दी झोली मां ने उसकी
आई परी सी बेटी घर पर।।
नाजो से बड़े पाल रहा था
खुशियों को खंगाल रहा था।
कमर तोड़ मेहनत से वह
अपनी जिम्मेदारी संभाल रहा था।।
जो जलेबी मन को भाती थी
अब चॉकलेट बन घर आती थी।
गुड्डेगुड़ियाँ, खेल खिलौने
अब उसके मन को भी हर्षाती थी।।
चांद सी बढ़ने लगी थी बेटी
नयनों में अब सात रंग के
सपने थे।
कुछ पराये घर के
और कुछ उनमें से अपने थे।।
पढ़ लिख बेटी गई शहर को
डाक्टरनी बनकर आवेगी।
गहनेजेवर बेचे मां ने
बेटी गिरवी घर छुड़वावेगी।।
किया फोन बेटी ने एकदिन
कुछ पैसे मंगवाया था।
शेष शुल्क बचे थे कुछ पर
पिता निराश हो घर को
आया था।।
फूटफूटकर रोये थे वे
न सहारा न कोई चारा काम
आया था।
पर प्रश्न था बेटी के भविष्य
का तो
वह अपनी किडनी तक बेच
आया था।।
पर एकदिन फिर खबर आई कि
बेटी जग छोड़ गई है।
प्रेमीप्रेम से आहत होकर
मांबाप का दिल वह तोड़ गई है।।
आंखें उनकी अब भी पथराई हैं
जीवन अस्तव्यस्त सा है।
मरमर कर वह जीते हैं
पर बेवफा का जीवन मस्त सा है।

मुकेश सिंह
सिलापथार, असम।
www.womenexpress.in

शिक्षकों का अनूठा प्रयास

आजकल के बच्चों के,
कुछ ऐसे हैं हालात।
एक हाथ में मोबाइल तो,
दूजे में किताब।।

पता नहीं पढ़ रहे या
चैटिंग कर रहे।
मोबाइल पर क्लास के बहाने,
मस्त गेम खेल रहे।।
पहले तो पापा के मोबाइल का,
रहता था इंतजार।
ऑनलाइन क्लास के लिए अब,
घर में हैं मोबाइल चार।।
हर बच्चे को पर्सनल अब,
मोबाइल दिला दिया।
इंटरनेट का पैक भी,
अब ज्यादा करा लिया।।

सोचा न था ऐसा भी,
अजीब समय आयेगा।
बिन विद्यार्थी के क्लास में,
शिक्षक पढ़ाएगा।।

शिक्षा की ऐसी प्रणाली का,
नहीं मिला कहीं इतिहास।
हालातों से सामंजस्य बिठाते,
शिक्षकों का अनूठा प्रयास।।

नीता तायल
www.womenexpress.in

मेरा विचित्र पुत्र

सतयुग में जन्म लेना था तुमको
इस युग में कैसे आ गए तुम?
यह भोलापन, यह सीधापन
व इतनी निश्चलता कैसे पा गए तुम?

मन इतना उदार तुम्हारा
कि अपने आप को छोटा पाती मैं;
तुम्हारा सब प्राणियों के प्रति
प्रेम भाव देख,
आश्चर्यचकित हो जाती मैं!

हम व्रत रखते अपनों के लिए
कि हमारा परिवार सदैव सुखी हो!
तुम्हारी प्रार्थना होती कि इस
संसार का
कोई जीव जन्तु विलुप्त और
दुखी न हो!

सोचती हूँ किस मिट्टी के बने
हो तुम?
तुम्हारे बड़प्पन के आगे सब
न्यून दिखता!
किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाती मैं
तुम्हे देख,
कोई इतना सीधा और सरल
कैसे हो सकता!

कुछ तो अच्छे कर्म किए होंगे
पिछले जन्म में, कि तुम मेरे
पुत्र हो!
अवाक होकर रह जाती मैं,
कि तुम कितने विचित्र हो!

रूना लखनवी
www.womenexpress.in

उनका अंदाज -ए -बयां

आज वो फिर हवा के झोंके जैसे
बलखाए से थे
आंखों में समंदर की गहराई
होंठों पर आग की तपिश
हजारों सवाल लिए मुझ पर
कहर ढाए से थे

सोचने लगा था मैं
मजबूरियां अपनी गिना दूंगा
उनके लिए एक आद
प्रेम गीत गुनगुना दूंगा
पर करता भी क्या...
उनकी निगरानी में हम
पहले ही अपना सर झुकाए से थे

कहने लगे मुझसे, तुम्हें कुछ
होश नही
झूठे हो, नकारा हो, तुम्हीं हो
ओर किसी का दोष नही
सच कह दें अगर हम तो कोई
समझे
वजह वो ही थे हम जो होश
गंवाए से थे

वो क्या समझे बारिश ही
बहार लाती है
लहरों की मार ही
कश्ती पार लाती है
और फिर अपने दामन में
कुछ यूं मुझे ढका उन्होंने
कि उनके दामन में हम शर्माए
से थे

स्वामी दास
(नई दिल्ली) ।
www.womenexpress.in

बेटी है तो कल है

बेटे भले ही झूठे निकलें पर
बेटी तो सत्य अटल है,
बेटी का मान सदा ही रखना
सब,बेटी है तो कल है।
कोख में ना मारो, बेटी बिना
जीवन नही सफल है,
जीवन में उजियारा लाती है
बेटी,बेटी है तो कल है।
प्रियजन पे संकट आए,तो
करती नयन सजल है,
मन से और तन से होती बेटी
तो अति कोमल है।
इज्जत है घर की सम्मान है
मातापिता का दिल है,
संस्कार को पोषित करती बेटी
गंगा सी निर्मल है ।
प्रेम,समर्पण और दया भाव
बेटी का त्याग विमल है,
माहौल मुताबिक खुद को ढाले,
जैसे बहता जल है।
एक बेटी की माँ हूँ मैं खुशियों
से आंख सजल है,
गर्व मुझे है जान्हवी बेटी पर
जो निःकपट निश्चल है।
बेटे भले ही झूठे निकलें पर
बेटी तो सत्य अटल है,
बेटी का मान सदा ही रखना
सब,बेटी है तो कल है।

मीना सामंत
एमबी रोड नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

शीश कभी न झुकने देंगे...

हम भारत माँ के हैं संतान,
राष्ट्र पर आँच न आने देंगे।
मर जाएँगे, हम मिट जाएँगे,
शीश कभी न झुकने देंगे।।

भारत भू पर जन्म लिया है,
इस मिट्टी में हम बढ़े पले।
शिक्षा और संस्कार मिला,
देश से न कोई शिकवे गिले।।

यहाँ के कण कण से मुझे,
दिल में बहुत ही प्रीत है।
पर्वत नदियों व झरनों में,
बजता रहता संगीत है।।

लोगों में है प्रेम मोहब्बत,
रिश्तों में होता अपनापन।
सद्भाव और समरसता है,
देश के प्रति दीवानापन।।

मेरा देश अद्भुत अनूठा है,
जर्रे जर्रे में दिखता प्यार।
मीठी वाणी और समर्पण,
खुशहाली है अपरम्पार।।

झूठ फ़रेब और मक्कारी,
यहाँ के लोगों में न रहता।
उन्नति प्रगति व अमन चैन,
कोने कोने में है दिखता।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]।
www.womenexpress.in

माँ की ममता

माँ की ममता की मत पूछो
ये तो बड़ी निराली है
खुद सोती गीले में यह
तुमको सूखे में सुलाती है

झुक जाते दानव मानव
इनके सादर चरणों में
ब्रम्ह महेश सुदर्शनधारी
शीश झुकाते चरणों में
माँ की ममता की मत पूछो
ये तो बड़ी निराली है

नारी के रूप बहुत है
सभी रूप पर भारी है
भाव में यह बह जाती
मनुहार करते कृष्ण मुरारी है
माँ की ममता की मत पूछो
ये तो बड़ी निराली है

खुद रहती धरती पर
तुमको नभ पहुँचाती है
देखती है नभ में उड़ते
यह यह मंद मंद मुसकाती है
माँ की ममता की मत पूछो
ये तो बड़ी निराली है

भर देती है पेट तुम्हारा
जब तृप्त हो जाते हो
शेष जो बच जाता
यह यह खाकर खूब अघाती है
माँ की ममता की मत पूछो
ये तो बड़ी निराली है

करती कोष ये न्योछावर
तेरे मन की खुशियों पर
करती है त्याग मोह का
भेजती है जब सरहद पर
माँ की ममता की मत पूछो
ये तो बड़ी निराली है

इसकी ममता की मत पूछो
समझ से परी होती हैं।

प्रियंका रानी
बहादुरगढ, हरियाणा ।
www.womenexpress.in

बहन की मुराद

वो हर कदम साथ देती थी मेरा,
चाहे जितनी मुसीबतों ने हो घेरा..
हर मन्दिर में मेरी सलामती की
दुआ मांगती थी,
मैं बन जाऊं बड़ा यही मुराद
मांगती थी..
पैरों में जूते भी ना थे,
ना माँबाप का साया,
करके चाकरी घरघर मेरी
बहन मुझे पढ़ाया..
आज बन गया हूँ मैं अफसर,
गाड़ी बंगला है नौकरचाकर..
पर कोई भी खुशी नहीं है
जिसने देखे थे ये सपने
वो बहना ही दुनिया में नहीं है..
मेरे सपने पूरे करतेकरते,
कोरोना महामारी के चलते..
चली गई वह छोंड़ के दुनिया,
किस काम की है ये सारी
खुशियाँ !!

प्रज्ञा शुक्ला
सीतापुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

परनिंदा रस

परनिंदा रस है बड़ा अनोखा
इसमें लगे न एक भी पैसा
आनंद होता इसमें भरपूर
फिर क्यों न जाए कोई भी रूठ
इस रस से न कोई बच पाया
जिसने चखा बस स्वाद ही आया
परनिंदा भर.भर करे चाहे कोय
सुनी.सुनी सब मगन खूब होय
इसकी न कोई सीमा न अंत
इससे बचा न कोई साधू संत
इसकी गहराई में जो डूबे एक बार
अपने दुःख दर्द सब हो जाएँ फ़रार
हम तो बुराई करें कभी ना
सब कहें ये तानकर सीना
निंदा के लिए बस ज़रूरी
शख्स एक
फिर बन जाती यूँ ही बातें अनेक
बस थोड़ा सा मिर्च मसाला
फिर उसका जीजा क्या साला
शुरू होती फिर एक कशमकश
परम अनुभूति का परनिंदा रस
एक सिलसिला न ख़तम होता
जो कोई सुनता वो भी कुछ बुनता
इसमें अपना न कोई पराया
जो मिला वही लपेटे में आया
परनिंदा रस में किसी ने सुख पाया
और किसी ने अपना सबकुछ
लुटाया

सोनिया श्रीवास्तव
फरीदाबाद, हरियाणा ।
www.womenexpress.in

विश्व शांति दिवस

विश्व शांति दिवस पर हमको
अब यही कसम खानी है
लड़ाईझगड़ों में नहीं अब ये
ज़िन्दगी गंवानी है
छोड़ दें ईर्ष्याद्वेष,एक दूसरे से
अब प्यार से निभानी है
दूसरों की निन्दा, आलोचना
सब बेमानी है
एक दूसरे की समस्याओं को
मिलजुलकर सुलझानी हैं
दीन दुखियों का बन सहारा,
परेशानियां उनकी मिटानी हैं
धर्म,ज़ात और सीमा के झगड़ों
में अब जान नहीं गंवानी है
वसुधैव कुटुंबकम् को करके
साकार, लिखनी अब नयी कहानी है
शांति मन में,देश में, विश्व में
चहुंओर लानी है
सुख चैन से भरपूर ज़िन्दगी ही
सच्ची ज़िन्दगानी है

वन्दना भटनागर
मुज़फ्फरनगर ।
www.womenexpress.in

प्रेम के दरबार में अब न्यायालय बंद हो चुके हैं

प्रेम को सबने बाजार वाद से
बा जार मैं बिकने वाला बना दिया।
सच में दुकान प्रेम में चॉकलेट
के भाव बिक रहा है।
भावनाओं को गिरवी रख कर
कुछ मीठे पल खरीदे थे।
मगर यहां सब कुछ दांव पर
लगाकर हम खुद बिक गए।
बिल्कुल बेस्वाद बेरंग है प्रेम
की डगर।
यहां प्रत्येक क्षण,
हृदय की गतियों का शोषण
होता है।
सच में तुम्हारे बिना जीवन
नीरस है लेकिन क्यों लगता है हर
पल मुझे प्रेम भीड़ में भी अकेले
होने का ढंग है।
मैं कई सालों से पता नहीं
किस भ्रम में मैं पढ़ा हुआ हूं।
मैं जानता हूं सारी दुनिया जो
बैठे हैं ताक में,
रच रहे षड्यंत्र और यहां
उम्मीदों का पुल ढह रहा है।
प्रेम के दरबार में अब
न्यायालय बंद हो चुके हैं।
अर्जियां हवा में झूम रही हैं।
कोई अपील कोई कानून
नहीं है।
जैसे कुहासा में कहीं खो गई
मेरे अंतर्मन की दलीलें ।
कहीं जा ठक्कर लड़खड़ा रही
है टकराती मंडराती चलाती हैं।
प्रत्येक मोड़ पर कहीं प्रेमिका
की मृत्यु खड़ी हो गई।
इस भयानक समय में कैसे
अपील करूं कौन सा न्यायालय का
दरवाजा खटखटाऊ।
यहां अब कान्हा की लीला ही
नहीं अब यहां कान्हा की लीलाएं
नहीं।।

गीता पति (प्रिया)
नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

सपनों का हमसफर

मिलने मैं आऊं तो मुझसे ही मिलना,
मुझको ही जीना तू मुझपे ही मरना
बिखर जाऊंगा टूटकर फिर मैं तुझमे
रहूं साथ तेरे यारा तू मुझमे ही रहना
लिखूंगा तुझको तेरे अफसाने लिखूंगा
मैं जो चलूं साथ तेरे तो तू साथ चलना,
बनकर के साया तू मेरे साथ चलना
जो मुश्किल भी आ जाये सामने तो,
रहना मेरे बनकर तू मेरे ही रहना ,
साथ चलो कुछ तो बातें करेंगे ,
अजनबी जगह फिर मुलाकातें करेगें,
जो मिले हो हमसे यूँ हममे मिले हो,
तो ऐसे ही रहना सदा साथ मेरे,
चलना मेरे साथ चलना तू हरदम,
मिलने मैं आऊं तो मुझसे ही मिलना,
मुझको ही जीना तू मुझपे ही मरना ।

अंकुल त्रिपाठी निराला
(प्रयागराज) उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

बेबाक चरित्र

आज सिर से ज़रा पल्लू क्या
सरका सब बवाल कर रहे हैं।
अनजाने लोग भी मेरे चरित्र
पर अनेक सवाल कर रहे हैं।।

बेबाक होकर अपनी बात कही
तो मुझ में संस्कार नहीं।
खुल कर मुस्कुरा क्या लिया मैं
बिगड़े हुए खानदान की रही।।

क्यों भाई एक औरत इंसान नहीं है।
या तुम्हारे लिए तो वो सिर्फ
सजावट की वस्तु रही हैं।।

सीताहरण रावण ने किया और
अपवित्र सीता हो गई।
चालाकी कौरवो की और महाभारत
का कारण पांचाली बन गई।।

नियत खिलजी की खराब थी
पर ज़ौहर पद्मावती ने किया।
यकीं राणा को नहीं और विष
प्याला मीरा ने पीया।।
हृदय तलक कृष्ण की मूरत पर
वियोग राधा को सहना पड़ा।
क्यों हर बार इज्ज़त का सोच
लड़कियों को झुकना पड़ा।।

प्रीत रुकमणी की सच्ची ज़ग
ने नहीं स्वीकार किया।
कभी श्याम संग नहीं रुकमणी
नाम का अधिकार दिया।।

यह सारे प्रश्न हर दिन मुझे
व्याकुल करते हैं।
मैं भी लड़की हूं तो हृदय में
अंगार बन उबलते हैं।।
मिल जाये आपको उत्तर तो
मुझे भी देना ।
नहीं तो मेरी बेबाकी पर चुप ही रहना।।

नहीं हूं मैं सत्ती जो तानें सुन
अग्नि में जल जाऊंगी ।
मैं तो वह महाकाली हूं जो अपने
हक़ के युद्ध में नज़र आऊंगी।।

दीपिका राज बंजारा
पाली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

राष्ट्र प्रहरी -नरेंद्र मोदी

मातृभूमि के जनजन का समीत है जो,
सच्चा प्रहरी राष्ट्र का सबकी
प्रीत है जो।

देशभक्ति का पावन दरिया
बहता जिसमें,
सबके दिलों में गुनगुनाए ऐसा
गीत है वो ।
स्वार्थ नहीं बस समर्पण
जिसके रगरग में,
हाँ ! विश्व झूमता जिस पर
ऐसा संगीत है वो ।

बेशक शत्रु औ आलोचक
जिसे घेरे बहुतेरे हैं,
कुछ तो बात है उसमें जो
सबका समनमीत है वो ।

उग्रतूफ़ानों से जूझना सबके
बस की बात नहीं,
डटा हौंसला भाल पे लिए
भारत की जीत है वो ।

भावना 'मिलन'अरोड़ा
कालकाजी, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

नारी...

आज भी नारी त्यागी जाती है ,
शंका की भेंट चढ़ जाती है ,
अविश्वास की वेदी पर बली होती है
नारी आज भी सहती है तिरस्कार ,
होती है हिंसा का शिकार,
हे राम!!
तुमने मर्यादा का लाखों पाठ पढ़ाया है,
पर युगों से मनुष्यता के एक वर्ग को
नारी अपमान और तिरस्कार का
पाठ ही समझ में आया है ।

योति चंद्रा ज्योत्सना
नई दिल्ली ।

धोनी ने जीत के बाद कहा, अभी कुछ विभागों में सुधार की जरूरत

(विशेष संवाददाता)

अबुधाबी, 20 सितंबर। महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जीत से आगाज किया लेकिन इस करिश्माई कप्तान ने कहा कि उनकी टीम को अभी कुछ विभागों में सुधार करने की जरूरत है। धोनी ने चेन्नई की अपने चिर प्रतिद्वंद्वी और पिछले साल के चैंपियन मुंबई इंडियन्स के खिलाफ पांच विकेट से जीत के बाद कहा, ''काफी सकारात्मक पक्ष रहे लेकिन कुछ ऐसे विभाग हैं जिन पर काम करने की जरूरत है। विशेषकर टाइमिंग को लेकर। बाद में खेलते हुए ओस पड़ने तक थोड़ा मूवमेंट रहता था। ऐसे में अगर आपके पास विकेट बचे हों तो आप फायदे में रहते हो।'' मुंबई ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर नौ विकेट पर 162 रन बनाये। चेन्नई ने मैन आफ द मैच अंबाती रायुडु के 71 और फाफ डु

प्लेसिस के नाबाद 58 रन की मदद से 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन बनाकर जीत दर्ज की। मुंबई का 2013 से लेकर अब तक अपना पहला मैच गंवाने का क्रम बरकरार रहा। धोनी ने रायुडु और डुप्लेसिस की साझेदारी को महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा, ''हमारे गेंदबाजों को लय हासिल करने में समय लगा। रायुडु ने फाफ के साथ बेहतरीन साझेदारी निभायी। हमारे अधिकतर खिलाड़ी संन्यास ले चुके हैं इसलिए अच्छी बात यह है कि हमारा कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं है।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके इस विकेटकीपर बल्लेबाज का यह पिछले साल विश्व कप के बाद पहला प्रतिस्पर्धी मैच था और उन्होंने कहा कि मैदान पर उतरना अलग तरह का अहसास होता है। धोनी ने कहा, ''आपने बहुत अभ्यास किया हो लेकिन मैदान पर उतरकर खेलना भिन्न होता है। वहां आपको परिस्थितियों का आकलन करके अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है।'' मुंबई इंडियन्स टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि डेथ ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाने का उनकी टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, ''हमारा कोई भी बल्लेबाज डुप्लेसिस और रायुडु की तरह पारी को आगे नहीं बढ़ा पाया। हमने पहले दस ओवर में 86 रन बनाये थे। चेन्नई के गेंदबाजों को श्रेय जाता है जिन्होंने आखिरी ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की।'' रोहित ने कहा, ''हमें इससे सबक लेने की जरूरत है।

पलक तिवारी की डेब्यू फिल्म 'रोजी' का मोशन पोस्टर रिलीज

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 20 सितंबर। पलक तिवारी फिल्म 'रोजीः द सैफरन चैप्टर' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। पलक तिवारी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के प्रोडक्शन में बनने वाली पहली फिल्म से डेब्यू करेगी।

फिल्म में विवेक ओबेरॉय भी नजर आएंगे। इस फिल्म को विशाल मिश्रा निर्देशित करेंगे, वहीं मंदिरा एंटरटेनमेंट और ओबेरॉय मेगा एंटरटेनमेंट इस फिल्म को प्रेरणा वी अरोड़ा के सहयोग से प्रस्तुत करेगी। निर्माताओं ने फिल्म 'रोजीः द सैफरन चैप्टर' का मोशन पोस्टर जारी किया। इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू होगी। यह जानकारी फिल्म एंड ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने रविवार को दी। तरण आदर्श ने ट्विटर पर मोशन पोस्टर शेयर कर लिखा'विवेक ओबेरॉय और पलक तिवारी की फिल्म 'रोजी' का मोशन पोस्टर

जारी...फिल्मांकन 2020 से शुरू हो रहा है। फिल्म विशाल रंजन मिश्रा द्वारा निर्देशित है।

फिल्म को प्रेरणा वी अरोड़ा के सहयोग से मंदिरा एंटरटेनमेंट और ओबेरॉय मेगा एंटरटेनमेंट प्रस्तुत करेगी।' तरण आदर्श ने लिखा 'घोषणा...विवेक ओबेरॉय 'रोजी' में मुख्य किरदार में होंगे, श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी इस फिल्म से अपना एक्टिंग डेब्यू करेगी। फिल्म की शूटिंग दिसंबर 2020 से शुरू होगी। फिल्म विशाल रंजन मिश्रा द्वारा निर्देशित है। फिल्म को प्रेरणा वी अरोड़ा के सहयोग से मंदिरा एंटरटेनमेंट और ओबेरॉय मेगा एंटरटेनमेंट प्रस्तुत करेगी।' नए पोस्टर में पलक को एक ग्लैमरस अवतार में देखा जा सकता है, जबकि विवेक ओबेरॉय पृष्ठभूमि में दिख रहे हैं।

पृष्ठभूमि में भूत और पेड़ पर कुछ पक्षी नजर आ रहा है। फिल्म की कहानी गुरुग्राम की सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में पलक तिवारी रोजी के किरदार में होगी, जो एक कॉल सेंटर में काम करने वाली लड़की है। यह फिल्म रोजी के किरदार के इर्दगिर्द घूमती है, जो सैफरॉन बीपीओ के कर्मचारियों में से एक है और इस बीपीओ पर भूतप्रेत का साया बताया जाता है। बीते दिनों फिल्म 'रोजी' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुआ था। पोस्टर में पलक ग्लैमरस लुक में नजर आ रही थी।

तस्वीर

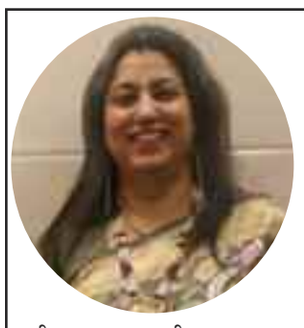

तस्वीर एक ख्वाब, तस्वीर एक सपना,
किसान की आँखों में खेत कोई अपना।
सीमा से वह तस्वीर बन लौटा है,
देखा है परिवार का विरह में तपना।

प्रेमिका की आँखों में प्रियतम की तस्वीर,
प्रणय के धरातल पर मानो कोई अल्पना।
देवियों के देश में तस्वीरों के आगे,
बुझती देखी है न्याय की संकल्पना।

मोबाइल हाथ में ले तस्वीरे लेने वालों,
जीवन नहीं है मात्र मनोरम कल्पना।

रात भर लैम्प पोस्ट में पढ़ता था वो,
देखा है सूरज का दिन भर तपना।

तरुणा पुण्डीर
नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

चाहत...

एक मुद्दत से
दिल की चाहत थी
उनसे मिलने की
मिल के फिर
दिल के बात कहने की
पर वो तो बैठे थे
दिल में नफरतों की आंधियां लेकर
काश, कुछ पल के लिए ही सही
उनकी नज़रें इनायत होती
और उनके प्यार की
बारिश होती
तो उनको भी सुकूं
मिल गया होता
और मुझको भी सावन का
एहसास हो गया होता पर, वक्त तो
वेवफा निकली
नज़रें फेर गईं वो
अश्क का तोहफा देकर।

राजीव भारती
गौतम बुद्ध नगर नोयडा।
www.womenexpress.in

आधुनिक स्त्री

ना मैं राधा ना मैं रुक्मिणी,
मैं आधुनिक युग की स्त्री हूँ,
प्रेम समर्पण का ज्ञान नहीं मुझे,
मैं अपने साथी की अर्धांगिनी हूँ,

प्रेम का कोई बीजारोपण हो तो,
मैं बस अपने साथी की रागिनी हूँ,
हां मैं राधा नहीं रुक्मिणी नहीं,
रीत प्रीत में सिमटी सहगामिनी हूँ,

जो अलख जगा रखती मन में,
मैं आज की जागती स्त्री वामिनी हूं,
तीव्र उज्ज्वल भाव की पराकाष्ठा,
हां मैं जीवन डोर की दामिनी हूँ,

मुझमें वो शक्ति नहीं अडिग सा,
मैं विश्वास प्रतिभा की विवर्णिनी हूँ।

नेहा यादव
लखनऊ, उत्तरप्रदेश।
www.womenexpress.in

सबसे प्यारा वतन हमारा

सबसे प्यारा वतन हमारा,
एकता में अनेकता का गूंजे यहाँ नारा।
सभ्यतासंस्कृति हमारी महान,
हमारे भारत की है यही पहचान।

भिन्नभिन्न भाषाएँ इसमें,
भिन्नभिन्न है बोली ।
हर त्यौहार मिलकर मनाती ,
यहाँ मस्तानों की टोली ।
यहाँ अजान के स्वर हैं गूंजे,
और मंदिर के नाद ।
गिरिजा घर में प्रार्थना होती ,
तो होती वाहेगुरु की अरदास।

देश की रक्षा की खातिर,
सरहद खड़े हैं वीर जवान ।
माटी को सींच लहू से अपने,
न्यौछावर कर देते अपनी जान।

वतन अपने को न झुकने देंगें,
ये संकल्प हमारा है ।
सौहार्दशांति से मिलकर रहेगें,
ये हमारा वादा है ।

रश्मि वत्स
मेरठ(उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

हाँ मैं उर्मि हूँ

मतलब मेरे नाम का लहर है
ना मैं समंदर की लहर हूँ
फिर भी उस उर्मि सी चंचल हूँ
मैं अपनी उडान खुद भरना चाहती हूँ
सपनों को साकार करके
माता पिता का मान मैं बनूं
हाँ मैं उर्मि हूँ
कभी कभी सोचती हूँ
सब कुछ तो है मेरे पास क्या करना है
लेकिन अब नहीं रूकना है
परी की तरह आसमान की
उँचाईयाँ छुना चाहती हूँ
तोड़ के जमाने के सारे बंधन
मैं हौसलों की उडान भरना चाहती हूँ
हाँ मैं उर्मि हूँ
हर वक्त लहराना है मुझे
मेहनत का ताज पहनना है मुझे
थके हारे मात पिता को
हर वक्त आराम देना है
उनके माथे से पसीने की बुन्दे
पोछनी है मुझे, हाँ मैं उर्मि हूँ
अपनी उडान के पंख खुद बनाने है
खुला आसमान देखना है
अपने सपने के पंख लगाने है
कठिनाइयों से पार जाना है मुझे
सागर की उर्मि खुद का रास्ता बनाती है
वैसे मुझे भी अपना रास्ता खुद बनाना है
राह के कांटे नहीं तोड़ पायेंगे मुझे
जिन लोगों ने मेरे पंख काटने की
कोशिश की उनको दिखाना है
कर लो लाख कोशिश
मेरे हौसले को ना तोड़ पाओगे
हाँ मैं उर्मि हूँ
कामयाब बनके दुनिया को
मन की ताकत दिखाने आई हूँ
हाँ मैं उर्मि हूँ
उर्मि की तरह हमेशा बहती रहूंगी
उर्मि उर्मी की तरह लहराती रहेगी

उर्मिला पाटीदार
अरनोदा, चित्तौड़गढ़, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

बड़ा मुश्किल होता है

बड़ा मुश्किल होता है ना
मुझ जैसे नई कवियत्री/कवि
के लिये!
शब्दो के अम्बार से
चुनकर कुछ शब्दो में
दिल की बात कहना
बोलने की अभिव्यक्ति तो है
फिर भी डर है मन में
राजनैतिक कुछ लिखती हूँ
तो कही शब्दों का चयन
गलत ना हो जाये या कही मतलब गलत
ना निकाल दिया जाये
अगर लिखती हूँ पुरूष पे
तो कही औरतों की
भावनाओं को आहत ना कर दू
लिखती हूँ एक औरत की पीड़ा
तो कही एक अच्छे दिल वाले
पुरूष की भावनाओं को
गलती से ठेस ना पहुचा दू
बड़ा मुश्किल होता है
मुझ जैसे नई कवि/कवयित्री के लिये
शब्दों के अम्बार से
दिल की बात लिखना।

रश्मि सिंह बघेल
www.womenexpress.in

सत्ता के नशे में चूर हो

सत्ता के नशे मे चूर हो,
क्यो तुम इतने मगरूर हो।
चार दिन की चांदनी है,
समझो अब सत्ता से दूर हो।

हाथ जोड़ कर वोट मांगते हो,
कसमे वादे हजार खाते हो।
कुर्सी पर बैठते ही,
जनता को भूल जाते हो।

सत्ता पाते ही सच को दबाते हो,
अत्याचार भ्रष्टाचार आतंक
मचाते हो।
जनता की आवाज दबाते हो,
भारत के संविधान का उल्लघंन
करते हो।

कुर्सी के लिए जोड़तोड़ लगाते हो,
दुश्मन से भी हाथ मिलाते हो।
कागज पर फर्जी काम दिखाते हो,
जनता को आंख दिखाते हो।

सत्ता मिलते ही ऐश करते हो,
स्वयं चैन से सोते हो।
जनता की नींद हराम करते हो,
खुद को राजा जनता को रकं
समझते हो।

सावधान हो जाओ,
जनता जाग गई है।
तुम्हारी मनमानी नही चलेगी,
यहां लोकतंत्र है! लोकतंत्र
की चलेगी।
जय हिन्द वन्देमातरम!!

प्रियंका पांडेय त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

सटीक बात

भरा है यह संसार ना जाने
कितने भ्रमों से
छुपाए हुए हैं सत्य को वो
अपने ही स्वरुप में,
ज्ञान की ही समझ से ही
परिचय होगा सत्य से
तब सामना होगा खुद का तेरे
असली अस्तित्व में।
हर चोला यहां पीछे छूटता जाएगा
कर्मों का फैरा भी निरंतर
लगता जाएगा,
जो फंस गया तो पार ना पा सकेगा
आने जाने का सिलसिला यूं ही
चलता जाएगा।
होगा तेरा सामना मौन विद्रोह
और असहयोग से,
जैसे जैसे चरम तक तू पहुंचेगा
प्रयासों से,
पूरा करने को उद्देश्य बस लगा
रह जी जान से
ये कीमत है उस लक्ष्य की जो
वसूली जाएगी तुझसे।
ना डर के जी अब तू किसी
भी बात से
मिलता नहीं कुछ भी आसानी
से,इस जग में।

दिव्या सक्सैना,
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

मुकम्मल...

लफ़्ज़ ख़ामोश है वक़्त की
आगोश में
जिंदगी बेकदर सी है
तू क्यों रूठा है खुद से बन्दे
जब शोर पूरे शहर में है
घोर अभिलाषा का समुंदर
आसमान में आफ़ताब को देखे
तू बेखबर अपनी राह में
किस ख्वाहिश की तलब करें
बेहिसाब इम्तेहान दिए
बेसब्र हर आरज़ू को पूरा करने
तू क्यों ना कोशिश हर पल करें
चलों उठो एक साथ ये निर्णय करें
जिंदगी की कहानी को
बिना रुके मुकम्मल करें

बेफ़िक्री का हर लम्हा बीते
वक़्त चाहे कम भी हो
जीतने का जोश रहें
उम्मीदों का एक शहर भी हो
हर तूफ़ान से हम साथ लड़े
ना डरें ना मुड़े
कर होंसलो को बुलंद यूहीं
चलों उठो एक साथ ये निर्णय करें
जिंदगी की कहानी को बिना
रुके मुकम्मल करें

तू कोशिश कर हिसाब नहीं
वक़्त की कोई क़िताब नहीं
हर लम्हा हमको जीना हैं
कुछ गम के आंसू पीना हैं
क्यों हम इतना डरते हैं
कभी जुड़ते कभी बिखरते हैं
ज़िंदगी का कुछ तो मोल समझो
चलों उठो आज फिर कह दो
आओ सब मिल के ये निर्णय करें
ज़िंदगी की कहानी को बिना
रुके मुकम्मल करें

अनुराधा रानी
श्रीरामपुर, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

जीवनसाथी...

खुशनसीब हूं, जो आपका साथ
मिला है,
तूफानों में जैसे साहिल मिला है ।
माना कि कुछ खट्टा मीठा सा
रिश्ता है हमारा,
मेरे वजूद को संभालता, एक
ठहरा सा किनारा मिला है।
आप दियां तो, बाती हूं, मैं,
आत्मा को जैसे शरीर का
सहारा मिला है।
थोड़ी नटखट हूं, थोड़ी शरारती भी,
मेरी हर शैतानीयों को समेटता,
सागर मिला है।
कभी नादानी करती हूं ,कभी
नाराज भी हो जाती हूं,
मुझे, मुझसे मिलाये, वह
आईना मिला है।
सागर सी गहराईं है , मुझमें,
उस गहराई को नापता,
पैमाना मिला है।
हर रिश्ता अधूरा है आपके बिना,
मुझे परिपूर्ण करता, आधार
मिला है।
अर्धांगिनी बनाकर, किया संपूर्ण मुझे,
मेरे उजड़े जीवन को जैसे
लहराता सावन मिला है।
हो भूल मुझसे तो क्षमा करना,
पति के रूप में देकर, भगवान
का वरदान मिला है।
साथ देना हर घड़ी ,हर मुश्किल
में मेरा,
जीवनसाथी के रूप में, मेरे जीवन
की मंजिल का ठिकाना मिला है।
आपकी जीवनसंगिनी हूं मैं,
मेरे जीवन का अनमोल
हमसफर मिला है।

योगेश्वरी कुंवर सिसोदिया,
ददोडियां, डूंगरपूर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

बंद पड़े स्कूल

कोरोना में बंद पड़े है स्कूल
शिक्षा सारी हो गई प्रतिकूल।

कहर मचाते बच्चे घर में खूब
आनलाइन शिक्षा नहींअनुकूल

गूगल बाबा में रहते वे मशगूल
बच्चें हाजिर जवाबी में मशहूर।
स्कूल था शिक्षा का ही मूल।
बंद होने से पड़ी हुई है धूल।

पढ़ाई लगती बच्चों को शूल
मैडम के सामने बनाते फूल।

कह हमने अनजाने की भूल
बहस कर बात को देते है तूल।

कैसे संवरेगा भविष्य बात है दूर
शिक्षकों की बातें मानते भरपूर।

शिक्षक भी हो गये है अब मजबूर
करें क्या जब बंद पड़े सभी स्कूल।

डॉ रेखा जैन
शिकोहाबाद ।
www.womenexpress.in

चीन का हश्र बहुत बुरा होगा!

जोशोखरोश से मित्रता का
हाथ बढ़ाया,
सभ्यता और संस्कृति की
बानगी दिखाकर,
जीवन जीने का सलीका सिखाया,
मगर अफसोस हुआ हमें,
यह देखकर,
हमारा मैत्री भाव, किसी
काम नहीं आया!
फिर से घोंप दिया छूरा उसने
हमारी पीठ पर,
जिसे हमने अपना समझकर था,
झूला झुला या!
सच कहा है, किसी ने, सांप को
दूध न पिलाओ
जिसने भी पिलाई दूध, सांप
उसे ही काट खाया
चीन वह कृतघ्न देश है, जिससे
भी लाभ उठाया,
उसी को छला उसने,
नुकसान पहुंचाया!
हमारी संप्रभुता पर हम आंच
नहीं आने देंगे,
हमारी एक एक इन्च भूमि
के लिए लड़ेंगे!
ऐ भूखे चीन, तू छीनना
चाहे जो हमारी जमीन,
चटा देंगे धूल तु म्हें, भले
न हो तुमको यकीन!
अब कभी नहीं होगी, मित्रता
तुमसे दुबारा,
सबको याद है अभी, हिन्दी चीनी
भाई भाई का नारा!
जो कब्ज़ा की हुई है भूमि, हमें
वापस लेना है,
तुम्हारा अहंकार, तुम्हारा दर्प सब
मिटा देना है!
यदि युद्ध हुआ इस बार तो
बहुत ही पछताओगे,
विश्व मानचित्र पर फिर नज़र
भी नहीं आओगे!

पद्म मुख पंडा,
रायगढ़, छत्तीसगढ़।

जिन्दगी होती

उसके दिल में जो बंदगी होती।
खुशबू एइश्क़ लाज़मी होती।
इश्क़ सजदा है,गर समझता वो,
इश्क़ में फिर न दिल्लगी होती।
कब समुंदर की चाह की मैंने,
बूँद इक प्यार की मिली होती ।
वो बढ़ाता न फ़ासले दिल के,
दरमियाँ फिर न बेरुख़ी होती।
वक्ते रुखसत जो मिल गए होते,
आँख में फिर न ये नमी होती।
देख लेता वो दफ़अतन मुड़कर,
दिल की हसरत निकल गयी होती।
यूँ तो जीने को जी रही आशा
वो जो होता तो ज़िन्दगी होती।

आशा आन
www.womenexpress.in

वह बसंत है

फूलों की हँसी की प्रतीक्षा में
आकाश शांति से सो रहा था
दिन यह पृथ्वी उस ऊर्जा की
छवि में भी है
जो फूलों की हँसी से ताज़ा होती है
हंसी खूबसूरत है
उस हँसी में सूर्य और चंद्रमा चक्र
उस घेरे में
प्राकृतिक पक्षियों के साथ
मनुष्यों के साथ
प्रकृति का प्यार उस प्यार में है
नई बसंत उस बसंत की
प्रतीक्षा कर रहा है
एक दोस्ताना क्षेत्र के रूप में
फूल हंसता है

ओटेरी सेल्वकुमार

कुछ कोशिश भी अभी बाकी है

कुछ घाव पुराने बाकी हैं,
कुछ जख्म पुराने बाकी हैं।
हासिल करना है मंजिल को,
कुछ कोशिश भी अभी बाकी है।
कुछ घाव पुराने बाकी हैं...

उस मंजिल को पाने में ,
साथ तेरा गर पाया होता।
धन्य समझती खुद को में,
वो धन्य समझना बाकी है।
कुछ घाव पुराने बाकी हैं....

तुझसे रिश्ता था दीपक बाती सा,
हर राह पर साथ तेरा चाहा।
बिन दीपक के बाती का,
क्या होता तनिक भी जीवन
बाकी है।
कुछ घाव पुराने बाकी हैं...
अटूट प्रेम का बंधन अपना,
कुछ पल में ही टूट गया।
उस टूटे रिश्ते के जख्मों को,
अभी भुलाना बाकी है।
कुछ घाव पुराने बाकी हैं...

जब था तू मेरे जीवन में,
हर दुःख से में बेगानी थी।
गया तू जबसे जीवन से,
बस अँखियों में पानी बाकी है।
कुछ घाव पुराने बाकी हैं...

जीवन के वो बीते हुए पल,
जो तेरे संग बिताये थे।
उन बीते हुए पलों को भी,
यादों से मिटाना बाकी है।
कुछ घाव पुराने बाकी हैं...

कुछ घाव पुराने बाकी हैं,
कुछ जख्म पुराने बाकी हैं।
हासिल करना है मंजिल को,
कुछ कोशिश भी अभी बाकी है।

जूली परिहार
अम्बाह, मुरैना (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

गरीब की खुशियाँ

वक्त पहली बार आया खुशी
का गरीबों के घर में
जगमगा उठे खुशियों के
दीप गरीबों के घर में
जैसे आज पूरा आंगन कोई
उत्सव मना रहा है
पर्दे भी लहरा उठे जो सूने पड़े
थे सदियों से दर में
वक्त पहली बार आया खुशी
का गरीबों के घर में

लाए बच्चों के पापा एक पुरानी
साइकिल खरीदकर
घर की लक्ष्मी सम्मान कर
रही है धूप दिखाकर
अपना खुद का पहली बार
साधन हो गया घर में
वक्त पहली बार आया खुशी
का गरीबों के घर में

बहुत देखे सपने ले जाएगी
मेरे परिवार के उठाकर
अब वह भी पैदल ना
जाएंगे काम के ठेके पर
पाई पाई जोड़ कर रखी
थी हमने अपने घर में
वक्त पहली बार आया
खुशी का गरीबों के घर में

कभी बच्चे साफ कर रहे कभी
बच्चों के पापा कर रहे
बचपन की कुछ यादों को
राठौर कलम से लिख रहे
हम भी खरीद कर लाए थे
कभी साईकिल बचपन में
वक्त पहली बार आया
खुशी का गरीबों के घर में

महेश राठौर सोनू
मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

एक नजर

दिव्यांग शख्स की पिटाई के आरोप में पुलिस कांस्टेबल निलंबित

कन्नौज । उत्तर प्रदेश के एक पुलिस कांस्टेबल को शनिवार देर रात निलंबित कर दिया गया। एक वीडियो क्लिप में वह कन्नौज में एक दिव्यांग व्यक्ति को पीटते हुए नजर आया, जिसके बाद उसके खिलाफ ये कदम उठाया गया। कन्नौज पुलिस ने अपने ट्विटर हैंडल से निलंबन की घोषणा की। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह कार्रवाई की गई। वीडियो में पुलिस कांस्टेबल कन्नौज के एक पुलिस स्टेशन में दिव्यांग के सिर के पीछे मारते हुए और जमीन पर धकेलते हुए दिखाई दे रहा है। खबरों के मुताबिक, पीड़ित शख्स ईरिक्शा चलाकर गुजरबसर करता है और उसने कहा कि कांस्टेबल ने सड़क के किनारे से यात्रियों को लेने के लिए उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसके साथ मारपीट की। हालांकि, कांस्टेबल ने दावा किया कि यात्रियों को लेने के लिए सड़क के किनारे से जाने के लिए कहने पर दिव्यांग शख्स ने दुर्व्यवहार किया। कन्नौज के पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कांस्टेबल को ड्यूटी से हटा दिया गया है और घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस अधिकारियों को खुद को नियंत्रित करने के लिए और उकसावे में आकर जनता के साथ दुर्व्यवहार न करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

मंदिर निर्माण के नाम पर उगाही का योजना !

बेतिया। अनुमंडल अन्तर्गत चनपटीया प्रखंड के दं घोघा पंचायत में दुर्गा मंदिर निर्माण हेतु, लगभग 50 लाख रूपया इकठ्ठा करने की योजना कुछ लोगों ने तैयार किया गया है। जिसमें घनश्याम दुबे, राटा मिश्रा, रमेश एवं अन्य का नाम शामिल बताया जा रहा है। दुर्गा मंदिर के नाम से नहीं कोई संगठन पंजीकृत है, नहीं कोई बैंक एकाउंट है। पंचायत के किसानों /आम जनता पर मंदिर निर्माण हेतु रूपया देने को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। विगत कुछ माह पहले यह पंचायत बाढ़ का दंस झेल चुका है। खेतों का फसल धान बाढ़ से बर्बाद हो चुका है। अभी ग्रामीण /किसान एक समस्याओं से निकले ही नहीं । तब तक मंदिर निर्माण हेतु रूपया उसूली करने वाले दस्तक डालने लगे हैं। गाँव में स्कूली शिक्षा का स्तर भी कहीं से भी ठिक नहीं है । इस विषय में सोचने वाला गाँव में कोई नहीं है। लेकिन दं घोघा पंचायत के दुर्गा मंदिर जो की घोघा घाट जाने के क्रम में मिलता है। यह मंदिर पूर्व से ही निर्मित है । चर्चा है की कुछ लोगों के द्वारा मंदिर /विवाह एवं अन्य सामाजिक आयोजन कराने के नाम पर मोटा रूपया उसूली पूर्व से किया जाता रहा है। जन चर्चा है तो इस बार यहाँ तक है की इस बार मंदिर निर्माण के नाम पर धंधेबाज लोगों के द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव 2020 को देखते हुए। नेताओं से मंदिर के नाम पर मोटा रूपया उसूली किया जायेगा। अब प्रश्न यह उठता है की लोगों से मंदिर निर्माण हेतु लाखों रूपया उसूली करने का अधिकार किसने दिया है?

अब किसानों को कानूनी बंधनों से आजादी मिलेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि सुधार विधेयकों का स्वागत किया

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 20 सितम्बर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश में कृषि सुधार के दो महत्वपूर्ण विधेयकों'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020' तथा 'कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020' का स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह विधेयक कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाले सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों का प्रतिबिंब देखा जा सकता है। इन विधेयकों को कृषि क्षेत्र में नए युग का आरम्भ करने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसान बहनों भाइयों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री जी ने इस प्रयास को लोक कल्याणकारी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार ज्ञापित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दोनों विधेयक पूर्ण रूप से कृषि और कृषकों के हित में हैं। यह किसानों की आय में कई गुना वृद्धि करने वाली सिद्ध होंगे। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐतिहासिक एवं अभिनव कदम भी बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को कानूनी बंधनों से आजादी मिलेगी, कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आएगा, खेती

किसानी में निजी निवेश होने से तेज विकास होगा तथा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कृषि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होने से देश की आर्थिक स्थिति और सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020 कृषि उपज के कुशल, पारदर्शी और बाधारहित अंतर राज्य और राज्य के भीतर व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देगा। इससे किसानों को बिक्री और खरीद हेतु पसंद की स्वतंत्रता प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों की आय को दोगुनी करने के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह विधेयक किसानों के हित में हैं। प्रधानमंत्री ने ही फसलों के समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए त्वरित व पारदर्शी प्रक्रिया से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार किसान हितों के संरक्षण के लिए कृतसंकल्पित हैं। किसानों को उनकी उपज की पूरी कीमत प्राप्त होगी। वहीं, इन विधेयकों के विरोध में कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा की जा रही टिप्पणियों को मुख्यमंत्री ने भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास बताया है। उन्होंने किसान बहनोंभाइयों से अपील की है कि वह किसी के बहकावे में न आएं। कुछ लोगों को कृषकों की उन्नति रास नहीं आती। यह वही लोग हैं जिन्होंने बीते छःसात दशकों तक किसानों को महज वोट बैंक समझा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आय को दोगुना करने के लिए कृतसंकल्पित है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए वर्तमान सरकार प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में लगातार प्रयास कर रही है। कृषि और किसान कल्याण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक नीतिगत कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोविड महामारी के दृष्टिगत लागू लॉकडाउन के दौरान ही राज्य सरकार द्वारा फल व सब्जी में 45 जिंसों को मण्डी शुल्क से मुक्त कर दिया गया, जिसका किसानों को सीधा लाभ मिला। कृषक अब अपने फल या सब्जी की राज्य में कहीं से भी बिक्री करने के लिए स्वतंत्र हैं।

किसानों को मण्डियों में भी अपनी उपज का विक्रय करने का विकल्प उपलब्ध हैं, जहां मण्डी शुल्क के स्थान पर मात्र 01 प्रतिशत यूजर चार्ज क्रय करने वाले व्यापारियों से लिया जा रहा है।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण यूपी में 21 से नहीं खुलेंगे स्कूल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ । कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान अनलॉक 4.0 में भले ही केंद्र सरकार की गाइडलाइन में कंटेनमेंट जोन के बाहर 21 सितंबर से कक्षा नौ से 12 तक के स्कूल खोलने की अनुमति दी गई है, लेकिन उत्तर प्रदेश में स्कूल नहीं खुलेंगे। प्राइवेट स्कूल्स के इस फैसले के बाद से सरकारी स्कूल भी प्रदेश में बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के कारण फिलहाल अभी नहीं खुलेंगे। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण उत्तर प्रदेश में 21 सितम्बर से आंशिक रूप से भी स्कूल कॉलेज नहीं खुलेंगे। प्राइवेट के साथ ही सरकारी स्कूल्स को कोरोना वायरस से लगातार बढ़ते संक्रमण के कारण अभी खोलना संभव नहीं हो पा रहा है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने पहले ही ऐसे माहौल में स्कूल कॉलेज खोलने में असमर्थता जता दी थी। इसके बाद ही प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि

प्रदेश में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए स्कूलकॉलेजोंको खोलना संभव नहीं है। इससे पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने भी 21 सितंबर से प्रदेश में स्कूलों के खोले जाने पर असमर्थता जताई थी। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए डॉ.दिनेश शर्मा ने कहा था कि 21 सितंबर से राज्य में आंशिक रूप से स्कूल खोलने की संभावना बहुत कम है। उन्होंने कहा था कि प्रदेश में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में कम से कम एक महीने तक तो आंशिक रूप से भी कार्य करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। छात्रछात्राओं की सुरक्षा सबसे ऊपर है और इससे किसी भी तरह समझौता नहीं किया जा सकता है। स्कूलों को खोलने पर फैसला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में लिया जाएगा। राजधानी लखनऊ के प्राइवेट स्कूल, एसोसिएशन ने प्रदेश में कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए स्कूल 21 सितंबर से न खोलने का फैसला लिया है। स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने बताया कि स्कूलों के स्तर पर तैयारियां पूरी की गई हैं।

निर्वेंद्र मिश्रा के हत्यारों को सजा दिलाने तक बसपा करेंगी संघर्ष

सतीश मिश्रा हाईकोर्ट में दाखिल करेंगे पीआईएल

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी/ लखीमपुर खीरी। निघासन विधानसभा सीट से दो बार निर्दलीय एवं एक बार सपा से विधायक रहे 75 वर्षीय निर्वेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना की हत्या के मामले में एक पखवारे बाद भी कार्रवाई न होने पर लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। कार्रवाई की मांग को लेकर अनवरत धरनाप्रदर्शन जारी है। इसी कड़ी में बसपा सुप्रीमों बहन मायावती एवं राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा के निर्देश पर पूर्व कैबिनेट मंत्री नकुल दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पलिया तहसील के त्रिकोलिया पढुआ स्थित स्वर्गीय मिश्रा के आवास पर जाकर परिजनों से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उनके पुत्र संजीव मिश्रा को आर्थिक मदद करने के साथ ही उन्हें आश्वासन दिया कि अगर जल्द ही हत्यारों की गिरफ्तारी और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किया गया तो हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल किया जायेगा। पीआईएल की पैरवी सतीश मिश्रा निशुल्क करेंगे।

प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रुप से पंडित सतीश मिश्रा के करीबी एवं

सेवापुरी विधानसभा से चुनाव लड़ चुके महेन्द्र कुमार पांडेय, प्रतापगढ़ के पूर्व विधायक रामशिरोमणि शुक्ला, पूर्व विधायक फतेहपुर आदित्य पांडेय, नरेन्द्र त्रिपाठी आदि शामिल थे। इस दौरान तीन दिन पूर्व छात्रनेता अंकित बाजपेयी की हत्या किए जाने के मामले में प्रतिनिधिमंडल उनके गांव गोला गोकरन लखीमपुर में जाकर परिजनों से मिला और आर्थिक मदद के साथ ही न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। महेन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि 6 सितम्बर रविवार को दबंगों ने निवेन्द्र की पीटपीटकर हत्या कर दी। दबंगों की पिटाई से मृतक पूर्व विधायक के बेटे को भी गंभीर चोटें आई।

लेकिन घटना के 14 दिन बाद भी प्रशासन द्वारा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किया गया, जिससे लोगों में आक्रोश है, अनवरत धरनाप्रदर्शन जारी है। पांडेय ने कहा कि यूपी की जनता क़ानूनव्यवस्था पर चिंतित और भयभीत है। पुलिस की उपस्थिति में जगहजगह दिनदहाड़े हत्याएं हो रही है। लखीमपुर में तीन बार के विधायक रहे निर्वेन्द्र मुन्ना की निर्मम हत्या व उनके पुत्र पर हुए क़ातिलाना हमले से प्रदेश हिल गया है। लेकिन सरकार को कोई चिंता नहीं है।

पांडेय ने योगी सरकार से की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि पूर्व विधायक निर्वेन्द्र कुमार मिश्र उर्फ मुन्ना की निर्मम हत्या व इसी जिले में छात्रा की दुष्कर्म के बाद फन्दा लगाकर की गई हत्या की घटनायें अतिदुःखद व चिन्ताजनक है। सरकार दोषियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई करे जिससे ऐसी दर्दनाक घटनायें प्रदेश में रूकें। व्यवस्था को देखकर आज मन अत्यंत दुःखी है। लखीमपुर में 15 दिनों में हत्याओं का अंबार है। कानून का राज समाप्त हो चुका है।

एआरपी की हुई समीक्षा बैठक

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पयागपुर बहराइच में डायट प्राचार्य उदयराज तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार यादव के संयुक्त तत्वावधान में अकादमिक रिसोर्स पर्सन एआरपी की समीक्षा बैठक डायट के मीटिंग हाल में सम्पन्न हुई ।

डायट प्राचार्य उदयराज ने कहा कि समस्त शिक्षक समस्त प्रशिक्षण को निश्चित अवधि में पूरा करना अनिवार्य है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार यादव ने अपने सम्बोधन में ई पाठशाला, आकाशवाणी और दूरदर्शन पर शिक्षा विभाग का प्रचारप्रसार, दीक्षा मानव सम्पदा मर्ज,सैट 2 परीक्षा परिणाम,रीड एलांग एप, मेरी उड़ान प्रतियोगिता, आदि पर विस्तृत समीक्षा की।

डायट प्रवक्ता सतीश कुमार ने एआरपी एवं शिक्षक संकुल समन्वय पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता आकाश दुबे ने किया, समीक्षा बैठक को जिला समन्वयक श्रावण कुमार मिश्र,आगा खान फाउण्डेशन,टाटा ट्रस्ट,के समन्वयकों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए।

इस समीक्षा बैठक में बीईओ अशोक कुमार सिंह, बृज लाल वर्मा , उपेन्द्र त्रिपाठी, अमित श्रीवास्तव, एआरपी राजेश कुमार मिश्र, पवन कुमार शुक्ल, यादवेन्द्र प्रताप चौधरी, दिलीप त्रिपाठी, रमेश पाठक, चन्द्रेश पाण्डेय,अनूप मिश्र,भानु प्रताप, विशेश्वर सिंह, आशीष मिश्रा, विजय , संतोष, असलम, अब्दुल मोमिन, भूपेंद्र सिंह बृजेन्द्र सिंह, देव व्रत जनक राम ,सत्य प्रकाश, श्याम पाल, प्रियंका, कल्पना ,एसआरजी मनोज दीक्षित,शिव कुमार, सुधीर मेहरोत्रा आदि एआरपी, एसआरजी, विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पिता के प्रसन्न हो जाने पर सारे देवता प्रसन्न हो जाते हैं: डॉ पारीक

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

जयपुर। शक्ति फ़िल्म प्रोडक्शन की फाउंडर अम्बालिका शास्त्री ने अपने पिताजी स्व. पंडित राममोहन शास्त्री जी के जन्मदिवस पर पौधे वितरित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अम्बालिका शास्त्री ने बताया कि उनके पिताजी स्व. पंडित राममोहन शास्त्री जी पोलिटिकल एडवाइजर व एस्ट्रोलॉजर के साथसाथ राजनितिक भविष्यवक्ता भी थे।

श्रद्धांजलि और पौधे वितरण का कार्यक्रम शक्ति फ़िल्म प्रोडक्शन और हेल्प इंडिया ऑनलाइन के तत्वावधान में वैशाली नगर स्थिति रिट्ज़ी स्कूल में सोशल दुरी का ध्यान रखते हुए किया गया।

हेल्प इंडिया संस्थान के फाउंडर व शिक्षाविद डॉ जगदीश पारीक ने कहा कि पुराणों में कहा गया है कि 'पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता हि परमं तपः। पितरि प्रीतिमापन्ने सर्वाः प्रीयन्ति देवता।।' अर्थात् पिता ही धर्म है, पिता ही स्वर्ग है और पिता ही सबसे श्रेष्ठ तपस्या है। पिता के प्रसन्न हो जाने पर सारे देवता प्रसन्न हो जाते हैं। संतान

यदि पिताजी के कार्यो को आगे बढ़ाती है, उनके उत्कृष्ट कार्यो से समाज व राष्ट्र को लाभान्वित करती है तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। कार्यक्रम में स्व. पंडित राममोहन शास्त्री जी की धर्मपत्नी प्रेमलता शर्मा, उनकी सुपुत्री अम्बालिका शास्त्री, रिंकू सिंह गुर्जर, एमएफए डॉ पवन पारीक, समाजसेविका पूनम खंगारोत, करिश्मा हाड़ा, अरविन्द बत्रा, कैलाश सूसावत, ब्रजेश पाठक, उदयवीर सिंह यादव, चन्द्रकला गोठवाल, आश्विन व्यास, प्रीती सक्सेना, विनय सक्सेना, हेल्प इंडिया प्रदेश अध्यक्ष श्रीधर पारीक आदि ने पंडित राममोहन शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला। उपस्तिथ सभी ने श्रृद्धा सुमन अर्पित कर अश्रुपूरित श्रदांजलि दी तथा अम्बालिका और प्रेमलताजी ने सभी को पौधे वितरित किये।

पर्यटकों के लिए आज से खुलेंगे ताज महल, आगरा का किला

आगरा, 20 सितंबर (वेबवार्ता)। भारत का लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण व 17वीं शताब्दी का प्रेम का स्मारक, ताजमहल और आगरा का किला छह महीने बाद सोमवार से फिर से खुलने के लिए तैयार हैं। कोविड19 महामारी के कारण इन स्थलों को बंद कर दिया गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम कर लिए हैं।

ताजमहल के केयरटेकर अमरनाथ गुप्ता ने कहा, 'पूर्वी और पश्चिमी गेट पर सैनिटाइजेशन, थर्मल स्क्रीनिंग, सामाजिक दूरी के लिए सर्कल्स की पेंटिंग, आदि हो चुके हैं। एक शिफ्ट में सिर्फ 2,500 आगंतुकों को ही अंदर जाने की अनुमति होगी और यह केवल ऑनलाइन बुकिंग के जरिए ही संभव होगा। विदेशियों को प्रवेश टिकट के लिए 1,100 रुपये भुगतान करना होगा और देश के आगंतुक 50 रुपये प्रति टिकट का भुगतान करेंगे। सम्राट शाहजहां और मुमताज महल की कब्रों के दृश्य के लिए मुख्य मंच में प्रवेश करने के लिए 200 रुपये का टिकट अतिरिक्त है।' वहीं स्वास्थ्य विभाग ने पिछले 24 घंटों में 105 नए कोरोनावायरस मामलों की सूचना दी है। अब तक कुल 4,706 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिसमें से 3,727 लोग रिकवर हो चुके हैं। सक्रिय मामलों की संख्या 862 है, वहीं अब तक, 117 मौतें हो चुकी हैं। इसी बीच आगरा विश्वविद्यालय ने शनिवार देर शाम 25 मेडिकोज के कोविड पॉजीटिव पाए जाने के बाद सोमवार से होने वाली एमबीबीएस परीक्षा स्थगित करने की घोषणा की। संक्रमित मेडिकोज को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कहा कि नई तारीखों की घोषणा एस.एन. मेडिकल कॉलेज के अधिकारी के साथ परामर्श के बाद की जाएगी।

स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए 100 छात्रों को मिलेगी सूर्यदत्ता एज्युकेशन फाउंडेशन की छात्रवृत्ति

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पुणे। महाराष्ट्र प्रान्त के विश्व स्तरीय संस्थान सूर्यदत्ता एज्युकेशन फाउंडेशन द्वारा हायर एज्युकेशन यानि स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए 100 छात्रों को छात्रवृत्ति की घोषणा की गई है। डिग्री पूरी करने वाले छात्र को यह स्कॉलरशिप मिलेगी। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय से संलग्नित एमएसी (संगणकशास्त्र), एमकॉम, एमबीए, अखिल तंत्रशिक्षण महामंडळ संलग्नित पीजीडीएम और मास्टर इन फाईन आर्टस् व पोस्ट ग्रॅज्युएट डिप्लोमा के लिए यह छात्रवृत्ति दी जाएगी। यह जानकारी सूर्यदत्ता के संस्थापक अध्यक्ष प्रा. डॉ. संजय चोरडिया ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण हम सबपर आर्थिक संकट आया है, इस परिस्थिति में कई छात्र इस साल पोस्ट ग्रॅज्युएट न होने के विचार में है। उनका नुकसान ना हो, और साल भी व्यर्थ न हो, इसलिए सूर्यदत्ता ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्यूट के क्वएज्युसोशियो कनेक्ट एंड सीएसआर इनिशिएटिव्ह के तहत इस छात्रवृत्ति की घोषणा की है। डिग्री हासिल किए छात्र इस छात्रवृत्ति के लिए 5 अक्तूबर तक आवेदन कर सकेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सूर्यदत्ता के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रा. डॉ. शैलेश कासंडे,

कार्यकारी संचालक प्रा. सुनील धाडीवाल, प्राचार्य अजित शिंदे, विभागप्रमुख मंदार दिवाने भी उपस्थित थे।

प्रा. डॉ. संजय चोरडिया ने कहा, कोरोना के कारण देशभर में लॉकडाऊन किया गया उसका परिणाम सबको भुगतना पड़ा। बड़ी संख्या में लोगों की नोकरिया गई, बिझनेस बंद हुआ। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र को भी भारी झटका लगा है। आर्थिक समस्या के कारण कई लोग अपने पाल्य को इस साल प्रवेश नहीं ले रहे है। छात्र भी आर्थिक समस्या के कारण पोस्ट ग्रॅज्युएशन करने का विचार छोड़ रहे है। स्नातकोत्तर शिक्षा हासिल करने की चाह होते हुए भी केवल फीस नहीं भर सकते इस कारण उनका साल व्यर्थ न हो, यह विचार लेकर सूर्यदत्ता करीब सौ छात्रों को मुफ्त प्रवेश देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों एवं भावना से हमारी कोअर टीम ने यह फैसला लिया है। एमएस्सी , एमकॉम, एमबीए, पीजीडीएम आणि मास्टर इन फाईन आर्टस, पोस्ट ग्रॅज्युएट डिप्लोमा (अर्धवेळ) जैसे स्किल्ड और एम्प्लॉयबिलिटी कोर्स के लिए यह छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस माध्यम से छात्र और उनके पेरेंट्स को थोड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि सूर्यदत्ता ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्यूट अच्छी, संशोधनात्मक और सर्वांगीण विकास को सामने रखकर शिक्षा देने वाली विश्व स्तरीय संस्था है।

मुख्यमंत्री योगी ने कोविड-19 के लिए आईसीयू के बेड बढ़ाने के दिए निर्देश

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 20 सितम्बर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड19 के लिए आई0सी0यू0 के बेड्स बढ़ाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में दवाई और ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जनपद प्रयागराज, कानपुर नगर, लखनऊ और गोरखपुर में विशेष सतर्कता अपनाए जाने की आवश्यकता है। इन जनपदों में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग पर जोर दिया जाए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर की कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने तथा इससे बचाव व उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी जनपदों में इनकी सेवाओं को और बेहतर बनाते हुए संचालित किया जाए। उन्होंने इसके लिए मुख्य सचिव को समन्वय किए जाने निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से कोविड19 तथा यातायात के नियमों के सम्बन्ध में लोगों को व्यापक रूप से जागरूक

किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सतर्कता, बचाव व जागरूकता जरूरी है। इसके लिए प्रमुख स्थानों और चैराहों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम निरन्तर एक्टिव मोड में रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि धान की खरीद 01 अक्टूबर, 2020 से होनी है। इसके दृष्टिगत सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाएं। धान क्रय केन्द्र सुचारु रूप से संचालित किए जाएं। यह देखा जाए कि किसानों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने धान क्रय के सम्बन्ध में राइस मिलर्स के साथ बैठक किए जाने के निर्देश कृषि उत्पादन आयुक्त को दिए।

इसके पूर्व, मुख्यमंत्री ने एकीकृत कोविड19 पोर्टल एप्लीकेशन लॉन्च किया। उन्होंने इस एप के शुभारम्भ पर कहा कि वैश्विक महामारी कोविड19 के संक्रमण के दौरान प्रदेशवासियों को इस सुविधा से लाभ मिलेगा। इससे कोविड19 के परिणामों की जानकारी सर्वसुलभ कराने की सुविधा होगी। यह जनसाधारण के लिए अत्यन्त उपयोगी होगा तथा लोगों की जांच के उपरान्त परिणाम शीघ्र मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से ऐसी व्यवस्था विकसित की गई है कि टेस्ट करवाने वाला व्यक्ति अपने रजिस्टर्ड मोबाइल फोन नम्बर पर ओ0टी0पी0 प्राप्त करके अपने कोविड19 टेस्ट के परिणाम को स्वयं देख सकेगा तथा इसे डाउनलोड भी कर सकेगा। यह एप कोविड वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सरकारी संस्थानों को सहयोग एवं चिकित्सा के लिए लोगों की मदद करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि कोविड19 से बचाव ही उसका उपचार है। इस एप के माध्यम से जो सुविधाएं दी जा रही हैं, वह सराहनीय हैं। उन्होंने इस एप को लॉन्च किए जाने पर धन्यवाद दिया।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

किसानों की 'आजादी' से खुश नहीं है कांग्रेस एंड कंपनी

राज्यसभा में तीनों कृषि बिल पास होने से बीजेपी गदगद

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितबर : भारतीय जनता पार्टी राज्यसभा से उपज व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) विधेयक2020 और कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार विधेयक2020 के पारित होने पर गदगद है।

इसके लिए पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पीठ थपथपाई है। साथ ही देश के सभी किसानों को बधाई दी। तीनों विधेयक लोकसभा में दो दिन पहले ही पारित हो चुका है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने संसद के गलियारे में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आजादी के 70 सालों में किसानों के सशक्तिकरण के लिए जो कदम नहीं उठाये जा सके, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने विगत छः वर्षों में साकार किया है।

प्रधानमंत्री कृषि की बेहतरी और किसानों के उत्थान के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। आज राज्य सभा से पारित हुए कृषि बिलों से किसानों को अपने फसल के भंडारण, और बिक्री की आजादी देंगे और बिचौलियों के चंगुल से उन्हें मुक्त करेंगे। भाजपा अध्यक्ष ने राज्यसभा में विपक्ष के गैरजि मेदाराना व्यवहार की कड़ी भर्त्सना करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी पार्टियों द्वारा

जिस तरह से संसद में अमर्यादित और अलोकतांत्रिक व्यवहार किया गया, वह प्रजातंत्र पर कुठाराघात है। भारतीय जनता पार्टी इसकी कड़ी निंदा करती है। कांग्रेस एवं उसकी कुछ सहयोगी पार्टियों ने सदन के पटल किसान हितैषी वाले इन विधेयकों का विरोध करके यह स्पष्ट कर दिया है कि ये पार्टियां किसान विरोधी हैं और ये किसानों का सशक्तिकरण होते नहीं देख सकते।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहले किसान अपने उत्पादों को मंडी में ही बेचने पर विवश थे, उनके पास कोई सहूलियत नहीं थी। इन विधेयकों के पारित होने से किसानों को पुराने सभी बंधनों से आजादी मिली है और अब किसान अपनी मर्जी का मालिक होगा। किसानों को उपज बेचने का विकल्प देकर उन्हें सशक्त बनाया गया है।

बिक्री लाभदायक मूल्यों पर करने से संबंधित चयन की सुविधा का भी लाभ किसान ले सकेंगे। इतना ही नहीं, इससे जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान किसान के घर पर ही उपलब्ध होगा।

नड्डा ने कहा कि आज किसानों को दोनों विधेयकों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जो आजादी मिली है, उसे रोकने का कुत्सित प्रयास कांग्रेस पार्टी और उसकी कुछ सहयोगी पार्टियों द्वारा सदन में किया गया। आज जब किसानों के लिए ऐतिहासिक आजादी का दिन था, तब विपक्ष को इन विधेयकों के समर्थन में खड़ा होना चाहिए था पर बिल का समर्थन करने के बजाय उन्होंने इसे रोकने का हर संभव प्रयास किया। इतना ही नहीं, उन्होंने देश की प्रजातांत्रिक व्यवस्था को भी ख़त्म करने का प्रयास किया। भारतीय जनता पार्टी इसकी कड़ी निंदा और भर्त्सना करती है।

कांग्रेस एंड कंपनी का प्रजातंत्र में विश्वास नहीं

कांग्रेस एंड कंपनी पर हमले की धार को और तेज करते हुए नड्डा ने कहा कि राज्य सभा में कांग्रेस और कुछ पार्टियों द्वारा आज जो कुछ भी हुआ, वह यह दिखाता है कि उन्हें प्रजातंत्र में विश्वास नहीं है। जो स य आचरण एक सांसद का होना चाहिए, उसे आज सदन में तारतार करने की कोशिश की गई। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और गैरजि मेदाराना व्यवहार है। इसके साथ ही, हेल्थ प्रोटोकॉल की भी अवहेलना की गई। इसकी जितनी भी निंदा की जाय, कम है।

आज देश के इतिहास के लिए 'काला दिन': कांग्रेस

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितंबर । कांग्रेस ने कहा है कि राज्यसभा में किसान संबंधी विधेयक को जिस तरह से पारित कराया गया है वह असंवैधानिक तथा किसानों के खिलाफ है और इससे आज के दिन को देश के इतिहास में 'काला दिन' के रूप में याद किया जाएगा। कांग्रेस नेता अहमपद पटेले, प्रताप सिंह बाजवा, अभिषेक मनु सिंघवी तथा शक्तिसिंह गोहिल ने रविवार को यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस विधेयक को राज्यसभा में जिस तरह से पारित कराया गया है वह लोकतंत्र की हत्या है। सरकार के इसी रवैये को देखते हुए पार्टी उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लायी है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले भी मनमानी करती रही है। वह पहले भूमि अधिग्रहण विधेयक लेकर आयी थी लेकिन उसे इस विधेयक को वापस लेना पडा और अब खेती को कारपोरेट क्षेत्र को देना चाहते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर जो बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं उसमें सत्यता नहीं है। यह कानून पूरी तरह से किसानों के

खिलाफ है और इससे उन्हें भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में किसानों के संबंध में जो बात भारतीय जनता पार्टी कह रही है उसमें सच्चाई नहीं है और जब सरकार से इस बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं तो उस पर वह कोई जवाब नहीं दे रही है। कांग्रेस नेता प्रताप सिहं बाजवा ने कहा कि यह विधेयक इस समय लाने की जरूरत नहीं थी। इससे किसानों को भारी नुकसान होने वाला है। उनका कहना था कि इस समय पूरी सेना गलवान घाटी में चीन से मुकाबले के लिए खडी है और देश के समक्ष एक संकट है इसलिए विधेयक इस समय नहीं लाया जाना चाहिए था। अगर यह विधेयक लाना ही था तो अगले साल लाया जा सकता था लेकिन सरकार को अपने कारपोरेट मित्रों का जल्द फायदा पहुंचाना था इसलिए वह यह विधेयक लेकर आयी है। सिंघवी ने कहा कि विपक्ष ने मत विभाजन मांगा लेकिन सरकार ने क्रूरता से कानून पारित कर दिया और नियमों की धज्जियां उडा दी है। यह विधेयक संघीय ढांचे के विरुद्ध है। सरकार ने दिखा दिया है और उसका विश्वास टूटा हुआ है कि वह कोई विधेयक अपने बलबूते पर पारित नहीं करा सकती इसलिए सरकार ने यह विधेयक ऐसी स्थिति में पारित कराया है।

काबा शरीफ जैसी हो सकती है धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अयोध्या के धन्नीपुर गांव में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को मिली जमीन पर बनने जा रही मस्जिद की बनावट परंपरागत स्वरूप से बिलकुल अलग हो सकती है और इसका नाम किसी भी बादशाह या राजा के नाम पर नहीं होगा। न्यायालय के आदेश पर सरकार से मिली पांच एकड़ जमीन पर मस्जिद, इंडो इस्लामिक रिसर्च सेंटर, संग्रहालय और अस्पताल बनाने जा रहे इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन (आईआईसीएफ) के सचिव एवं प्रवक्ता अतहर हुसैन ने रविवार को बताया कि धन्नीपुर गांव में 15,000 वर्ग फुट क्षेत्र में मस्जिद बनाई जाएगी। यह रकबा बिलकुल बाबरी मस्जिद के बराबर ही होगा। उन्होंने कहा, 'इस मस्जिद का आकार बाकी मस्जिदों से बिलकुल अलग होगा। यह मक्का में स्थित काबा शरीफ की तरह चैकोर होगाा, जैसा कि मस्जिद के आर्किटेक्ट नियुक्त किए गए प्रोफेसर एस एम अख्तर ने अपने कुछ बयानों में इशारा भी दिया है।' इस सवाल पर कि क्या काबा शरीफ की ही तरह धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद में भी कोई गुंबद या मीनार नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर: अब तक करीब 17 लाख लोगों को दिए गए मूल निवास प्रमाण पत्र

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । जम्मू कश्मीर में अभी तक तकरीबन 17 लाख लोगों को डोमिसाइल सर्टिफिकेट (मूल निवास प्रमाण पत्र) दिए जा चुके हैं। रविवार को लोक सभा में इस बारे में जानकरी देते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि राज्य में अभी तक 16.79 लाख लोगों को डोमिसाइल सर्टिफिकेट दिए जा चुके हैं। मंत्री ने बताया कि राज्य के 21,13,879 लोगों ने मूल निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था जिनमें से कुल 16,79,520 लोगों को प्रमाण पत्र दिए जा चुके हैं। इसके अलावा आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं करा पाने के चलते कुल आवेदनों में से 1,21,630 आवेदन खारिज भी किए गए हैं। रेड्डी ने कहा कि डोमिसाइल सर्टिफिकेट (प्रक्रिया) नियम, 2020 के जम्मू और कश्मीर ग्रांट के नियम 5 के तहत कुछ दस्तावेजों को अनिवार्य किया गया है, जिन्हें आवेदक को आवेदन के साथ संलग्न करना है। उन्होंने कहा कि जिन आवेदनों के साथ निर्धारित दस्तावेज निर्धारित दस्तावेज संलग्न नहीं किए गए हैं, उन्हें खारिज कर दिया गया है। मंत्री ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के प्रांतीय पुनर्वास अधिकारी

(पीआरओ) के साथ बनाए गए पंजीकरण रिकॉर्ड के अनुसार, 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के दौरान छंब नायबत क्षेत्र से कुल 6,565 परिवारों को विस्थापित परिवार के रूप में पंजीकृत किया गया था 1971 में जम्मूकश्मीर में विस्थापित इन परिवारों को 4 एकड़ (सिंचित) या 6 एकड़ (सिंचित) की दर से कृषि भूमि आवंटित की गई थी। इसके अलावा प्रति परिवार 7,500 रुपये का नकद मुआवजा भी दिया गया था। रेड्डी ने कहा कि 1947 में भारतपाक युद्ध के दौरान कुल 31,619 परिवार पाक अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) से विस्थापित हुए थे। इनमें से 26,319 परिवार पंजीकृत होकर यहां बस गए। उन्होंने कहा कि कुल 5,300 परिवार, जो शुरुआत में पीआरओ, जम्मू और कश्मीर के तहत रजिस्टर किए गए थे वो बाद में देश के अन्य हिस्सों में चले गए।

अधिसूचना: पीजी मेडिकल छात्रों की जिला अस्पतालों में तैनाती अनिवार्य होगी

नई दिल्ली। देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एमडी और एमएस की पढ़ाई करने वाले सभी परास्नातक (पीजी) छात्रों की रोटेशन के आधार पर तीनतीन महीने के लिए जिला अस्पतालों में अनिवार्य तैनाती की जाएगी। शैक्षणिक सत्र 202021 से इस तरह की अनिवार्य रेजिडेंशियल तैनाती पाठ्यक्रम का हिस्सा होगी। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा जारी अधिसूचना में यह निर्देश दिया गया है। पीजी पाठ्यक्रम के तीसरे, चौथे और पांचवें सेमेस्टर के दौरान छात्रों की जिलों में तैनाती की जाएगी। इस रोटेशन को डिस्ट्रिक्ट रेजिडेंसी प्रोग्राम (डीआरपी) नाम दिया गया है। जिलों में प्रशिक्षण के लिए तैनात छात्रों को डिस्ट्रिक्ट रेजिडेंट या जिला रेजिडेंट कहा जाएगा। पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन संशोधन नियम2020 के अनुसार जिला रेजिडेंसी की अवधि को संतोषजनक तरीके से पूरा करना परीक्षा में बैठने की अनिवार्य शर्त होगी। बिना इसके छात्र पीजी की फाइनल परीक्षा में नहीं बैठ सकेंगे। जिला रेजिडेंसी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीजी छात्रों को जिला चिकित्सा सेवा प्रणाली से अवगत कराना और उन्हें जिला चिकित्सा सेवा में शामिल करना है। इससे उन्हें प्रशिक्षण के दौरान सेवा करते हुए सीखने का मौका मिलेगा। इसके अलावा वह जिला स्तरीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत की जाने वाली निगरानी, मूल्यांकन और योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया से भी अवगत हो सकेंगे। पीजी छात्रा जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में चिकित्सा सवा देंगे। कार्यक्रम के तहत पीजी छात्रों की तैनाती उन्हीं जिला अस्पतालों में की जाएगी जो सरकारी होंगे और वहां कम से कम 100 बिस्तर होंगे। वे डायग्नोस्टिक, लैबोरेटरी, फार्मेसी, फॉरेंसिक और जनरल क्लिनिकल सेवा देने समेत प्रबंधकीय भूमिका भी निभाएंगे। पीजी छात्रों को आईसीएमआर और अन्य राष्ट्रीय रिसर्च संगठनों के अनुसंधान केंद्रों में भी तैनात किया जा सकता है। उन्हें उनके मेडिकल कॉलेजों में मिलता था।

मध्यप्रदेश में महिला स्व सहायता समूह का ब्याज सरकार भरेगी: चौहान

(विशेष संवाददाता)

भोपाल, 20 सितंबर । प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कहीं भी कोई कमी भाजपा की सरकार अपनी ओर से नहीं आने देगी। 4 फीसदी से अधिक ब्याज साल भर जो स्वसहायता समूह पर बैंक द्वारा लगाया जाता है वह भी अब उसे नहीं देना होगा, प्रदेश में स्वसहायता समूह का ब्याज अब सरकार भरेगी। सभी स्वसहायता समूह को बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी सरकार की ओर से काम होगा। राज्य स्तरीय विपणन महासंघ बनाया जाएगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने रविवार को राजधानी भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 13 हजार स्वसहायता समूहों से जुड़े एक लाख 30 हजार से अधिक जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों को 200 करोड़ रूपये की ऋण राशि प्रदान करते हुए कही। सीएम चैहान ने इस ऋण वितरण के लिये वर्चुअल कार्यक्रम में भोपाल से शामिल होकर दमोह, देवास तथा शिवपुरी जिलों के हितग्राहियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि सरकार एक संस्थान या यूनिवर्सिटी बनाएगी,

जहां के विशेषज्ञ तय करेंगे कि हम कैसे महिला स्वसहायता समूहों को मदद करें और उन्हें बताएं कि कौन से काम करने से वे आर्थिक रूप से अधिक सुदृढ़ हो सकती हैं। सीएम शिवराज ने कहा, अभी प्रदेश में स्वसहायता समूह से 33 लाख बहनों को और जोड़ना है, कहीं भी कार्य के विकास में पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राज्य आजीविका संस्थान खड़ा किया जाएगा तो वहीं, महिलाओं के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदेशभर में विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाएंगे। स्कूल और महाविद्यालयों में सफल बहनों और स्वसहायता समूहों की केस स्टडी पर अध्ययन की व्यवस्था सरकार करेगी। इसके अलावा सरकार में कैसे आवेदन देकर बड़े काम प्राप्त किए जा सकते हैं, उसके लिए भी स्वसहायता समूह को सरकार की ओर से सहायता मुहैया कराई जाएगी। जब मुख्यमंत्री बना तो सबसे पहले मध्यप्रदेश की धरती पर यह भेद मिटाने के लिए मैंने अपना संकल्प जमीन पर उतारा। बेटी जन्म ले तो वह लखपति ही पैदा हो इसलिए सरकारी स्तर पर मैंने लाड़ली लक्ष्मी योजना को साकार रूप दिया। महिला सशक्तिकरण के लिए मैंने प्रदेश में संचालित करने का प्रयास किया जोकि आज भी सफलता से चल रही हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग में 54,120 शिक्षकों के स्थानान्तण की अनुमति

लखनऊ/दिल्ली, 20 सितम्बर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग में 54,120 शिक्षक/शिक्षिकाओं के अन्तर्जनपदीय स्थानान्तण की अनुमति प्रदान की गई है। इस स्थानान्तरण में शिक्षक/शिक्षिकाओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। स्थानान्तण की यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संचालित की गई। यह स्थानान्तरण मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में शिक्षकों/शिक्षिकाओं की सहूलियतों के मद्देनजर किया गया है। इस स्थानान्तरण को मूर्त रूप देकर पूरे देश में एक मिसाल स्थापित की गई है।

यह जानकारी देते हुए आज यहां राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि एन0आई0सी0 के सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्थानान्तण सम्बन्धी सभी आवेदन पत्रों को वैज्ञानिक आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए स्वीकार किया गया। इस स्थानान्तरण प्रक्रिया में 28,306 महिला तथा 25,814 पुरुष शिक्षक लाभान्वित हुए हैं। इनमें 917 शिक्षक/शिक्षिकाएं सशस्त्र बलों के जवानों के परिवारों से जुड़े हैं, जिन्हें यह सुविधा प्राथमिकता के आधार पर बिना शर्त प्रदान की गई। इनके अलावा, दिव्यांगजन श्रेणी के 2,285 स्थानान्तरण सम्बन्धी आवेदन पत्रों को स्वीकार करते हुए उन्हें स्थानान्तरित किया गया तथा गम्भीर व असाध्य बीमारी से ग्रसित 2,186 लोगों को स्थानान्तरण का लाभ दिया गया।

दाऊद सहित 21 दुर्दांत आतंकियों की खातिरदारी कर रहा पाक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली/इस्लामाबाद । भले ही पाकिस्तान पर वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की तलवार लटक रही है, लेकिन इसके बावजूद वह आतंकियों की खातिरदारी में जुटा है। जिन आतंकियों को वह पनाह दे रहा है, उसमें अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तान स्थित खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स का आतंकी रंजीत सिंह नीता शामिल है। जून 2018 से पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में है और उसे इससे बाहर आने के लिए जून 2020 तक शेष बिंदुओं पर काम करने की चेतावनी दी गई थी। बाद में कोरोना महामारी को देखते हुए इस समयसीमा को बढ़ाकर सितंबर कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान सरकार 21 आतंकियों को वीआइपी सुरक्षा दे रही है। इसमें वह आतंकी भी शामिल हैं, जिन पर पिछले महीने ही प्रतिबंध लगाया गया था। एएनआइ को मिली सूची के मुताबिक जिन आतंकियों की खातिरदारी की जा रही है, उनमें अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, बब्बर खालसा इंटरनेशनल का प्रमुख

वाधवा सिंह, इंडियन मुजाहिदीन का प्रमुख रियाज भटकल, मिर्जा शादाब बेग और अफीफ हसन सिद्दीपा शामिल हैं।

इनमें से कई आतंकवादी भारत में वांछित हैं। पिछले महीने पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा जारी नई सूची के अनुपालन में 88 नेताओं और आतंकी समूहों के सदस्यों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसमें जमात उद दावा के हाफिज सईद, जैशए मुहम्मद के मसूद अजहर और जकीउर रहमान लखवी शामिल थे। पाकिस्तान सरकार ने इनके बैंक खातों और संपत्तियों को जब्त कर लिया है। साथ ही इनके विदेश जाने पर भी रोक लगा दी गई है। पाकिस्तान यह दावा करता रहा है कि वह आतंकी समूहों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, लेकिन इस बात का कोई विवरण नहीं है कि उसने इसके लिए क्या कदम उठाए हैं।

रेलवे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्टेशनों व ट्रेनों की व्यापक सफाई

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के साथ साझेदारी में उत्तर रेलवे के माध्यम से रेलवे बोर्ड स्वच्छता और पर्यावरण पखवाड़ा मना रहा है।

इस दौरान प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ ही स्टेशनों, ट्रेनों, पटरियों, कॉलोनियों और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों की व्यापक सफाई और कीटाणु मुक्त करने का काम किया जा रहा है।

पखवाड़े के उद्घाटन दिवस पर सभी जोनल रेलवे मुख्यालयों, मंडल कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठानों में रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया।

मास्क और सैनिटाइजर भी बांटे जा रहे हैं। कोविड19 संबंधित सावधानियों के साथ ही रेलवे परिसर को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए आईईसी का उपयोग और वेबिनार भी आयोजित किए जा रहे

हैं। इस अवधि के दौरान रेलवे पटरियों, स्टेशनों, नालियों, शौचालयों, यार्ड, डिपो आदि की सफाई पर ध्यान केंद्रित करेगी।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के साथ मिलकर उत्तर रेलवे के माध्यम से रेलवे बोर्ड ने स्वच्छता और पर्यावरण विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कोविड महामारी के कारण, 16 सितंबर से शुरू होकर 30 सितंबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत के लिए वर्चुअल माध्यम, वेबिनार आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न सरकारी, निजी और गैर सरकारी संगठनों के पर्यावरण से जुड़े प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस वेबिनार में भारतीय रेलवे के विभिन्न विभागों से 100 से ज्यादा अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अरुण अरोड़ा, यूएनईपी इंडिया के प्रमुख अतुल बगई, यूएनईपी गुडविल एंबेसडर दीया मिर्जा, अफरोज शाह, यूएनईपी चैंपियन ऑफ द अर्थ, नवीन अग्रवाल, निदेशक एसबीएम, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय शामिल थे। इसके अलावा पर्यावरण प्रबंधन केंद्र के संस्थापक डॉ. प्रसाद मोदक, सीआईआई कार्यकारी निदेशक के. एस. वेंकटगिरी, चिंतन पर्यावरण अनुसंधान और कार्रवाई समूह से चित्रा मुखर्जी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

पहली के कहने पर दूसरी पत्नी को दिया तलाक

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कोहेफिजा इलाके में फोन पर तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। आरोपी बेंगलुरु में रहकर ट्रैवल्स एजेंसी चलाता है। पहली पत्नी के रहते हुए उसने दूसरी शादी कर ली है। कोहेफिजा इलाके में रहने वाली 34 साल की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 साल पहले उसकी यूसुफ खान (40 साल) से शादी हुई थी। उसका पहले पति से तलाक हो गया था। इसके बाद उसने मजबूरी में यूसुफ से शादी की। उसे यूसुफ के पहले से शादीशुदा होने के बारे में पता था। लेकिन, उसकी पहली पत्नी को इसकी खबर नहीं थी। महिला के मुताबिक लॉकडाउन लगने से पहले उसकी पहली पत्नी को दूसरी शादी का पता चल गया। इसके बाद से वह पहली पत्नी के कहने पर उसे प्रताड़ित करने लगा। इसके बाद उसे बेंगलुरु से ही फोन कर तीन तलाक दे दिया। महिला ने बताया कि उसके चार बच्चे हैं। एक दिव्यांग है। पति ने अब खर्चा देने भी बंद कर दिया है। सीएसपी नागेंद्र पटेरिया ने बताया कि आरोपी यूसुफ और उसकी पहली पत्नी पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। फोन पर तीन तलाक दिए जाने की भी जांच की जा रही है। अगर शिकायत सही मिलती है तो आरोपी के खिलाफ इसकी भी धाराएं लगाई जाएगी। सीएसपी ने बताया कि आरोपी को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। वह भोपाल आया था, लेकिन पुलिस से बिना मिले ही चला गया।

पति की मौत के बाद गांव के एक शख्स से हुए महिला के अवैध संबंध

ठाणे । नवी मुंबई के पनवेल क्षेत्र में एक महिला की हत्या करने और उसका शव बांध में फेंकने के आरोप में पुलिस ने सतारा जिले से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि 27 वर्षीय महिला का क्षतविक्षत शव नवी मुंबई के मोरबे बांध में 16 सितंबर को तैरता हुआ मिला था। शव से सीमेंट का एक भारी टुकड़ा बंधा था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि महिला पनवेल कस्बे के अकुरली गांव की निवासी थी और वह अपनी सात साल की बेटी के साथ रहती थी। नवी मुंबई के पुलिस उपायुक्त अशोक डुढे ने बताया कि कुछ साल पहले महिला के पति की मौत हो गई थी और पनवेल के कोपरोली गांव के 32 वर्षीय एक व्यक्ति के साथ उसके कथित तौर पर अवैध संबंध थे। उन्होंने बताया कि इस व्यक्ति ने महिला से कई बार पैसे लिए और फिर वापस नहीं किए। इससे दोनों के बीच झगड़ा होने लगा। इसके बाद कथित तौर पर व्यक्ति ने षड्यंत्र रचकर 15 सितंबर को उसकी हत्या कर दी और उसके शव को बांध में फेंक दिया। उसने इस वारदात में अपने तीन दोस्तों की मदद ली। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को आरोपी के सतारा के कोरेगांव में होने की जानकारी मिली जिसके बाद नवी मुंबई की एक पुलिस टीम वहां गई और वहां उसने आरोपी तथा मृत महिला की बच्ची को पाया।

दुष्कर्म के आरोपित की थाने के लॉकअप में संदिग्ध हालात में मौत

नई दिल्ली । दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार आरोपित की रविवार सुबह बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त कार्यालय परिसर में स्थित समयपुर बादली थाने के लॉकअप में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान धर्मेंद्र (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, आरोपित धर्मेंद्र को स्वरूप नगर इलाके के दुष्कर्म के मामले में शनिवार की रात को गिरफ्तार किया गया था। उस पर आरोप था कि उसने घर में घुसकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया था। उसे सुबह में समयपुर बादली थाने के लॉकअप में रखा गया था। जहां उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। धर्मेंद्र परिवार के साथ लिबासपुर गांव में रहता था। उसके स्वजनों के अनुसार पुलिस ने उन्हें बताया कि धर्मेंद्र ने थाने के लॉकअप में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। लेकिन स्वजनों को पुलिस की बातों पर भरोसा नहीं हो रहा है। हालांकि अब तक बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त गौरव शर्मा ने घटना को लेकर कोई आधिकारियक बयान नहीं दिया है। ऐसे में आरोपित की मौत कैसे हुई है, यह पता नहीं चल पा रहा है।